पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 152

ग्वालियर, गुरूवार, 22 जुलाई, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

पोर्न फिल्म केस में कुंद्रा के ऑफिस पर रेड

पोर्न कटेंट अपलोड करने वाला सर्वर सीज, एक दिन में होती थी 10 लाख रुपए से ज्यादा की कमाई

मुंबई(ए)।

पोर्न मूवी केस में मुंबई पुलिस ने बुधवार शाम को राज कुंद्रा के मुंबई स्थित विआन इंडस्ट्रीज लिमिटेड के ऑफिस और कुछ अन्य ठिकानों पर रेड की है। ताजा जानकारी के मुताबिक, कुंद्रा के ऑफिस में लगे कुछ कम्प्यूटर की हार्ड डिस्क और सर्वर को सीज किया गया है। माना जा रहा है कि यहीं से वी ट्रांसफर के जरिए वीडियो को अपलोड किया जाता था।इसके अलावा कुछ अन्य कागजात को पुलिस ने जब्त किया है। पुलिस ने कुंद्रा का एक आई फोन और लैपटॉप भी जब्त कर लिया है। इसे जांच के लिए फॉरेंसिक लैब में भेजा गया है। मुंबई पुलिस जल्द ही इस मामले में एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी से भी पूछताछ कर सकती है। कुंद्रा, 23 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में हैं। इसके अलावा उनके बहनोई प्रदीप बक्शी के खिलाफ भी %लुकआउट% नोटिस जारी हुआ है। मुंबई पुलिस के मुताबिक, बक्षी इस मामले में सहभियुक्त हैं। बक्शी %हॉटशॉट% का निर्माण करने वाली केनरीन कंपनी के को-ओनर हैं। पोर्न ऐप मैनेज करने हर महीने 3-4 लाख रुपए चार्ज करती थी जांच में सामने आया है कि कुंद्रा ने हॉटशॉट ऐप को मेंटन करने के लिए प्रतिकेश और ईश्वर नाम के दो कर्मचारियों को विआन इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पेरोल पर पर रखा था। केनरीन कंपनी के %हॉटशॉट% एप को मैनेज और मेंटेन करने के लिए %विआन इंडस्ट्रीज लिमिटेड% यानी राज की कंपनी को हर महीने 3-4 लाख रुपए चार्ज करती थी।

एक दिन में 10 लाख से ज्यादा कमाते थे कुंद्रा

पोर्न फिल्म रैकेट में गिरफ्तार एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति की गिरफ्तारी के बाद एक और नया खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि राज कुंद्रा को एक दिन में कई बार 10 लाख से ज्यादा की कमाई हुई है। पोर्न फिल्म बनाने और ऑनलाइन ऐप के जरिए पब्लिश करने के आरोप में गिरफ्तार कुंद्रा फिलहाल 23 जुलाई तक मुंबई पुलिस की कस्टडी में हैं। उनकी बैंक खाते की कुछ डिटेल सार्वजनिक हुई हैं, जिसके एनालिसिस से यह पता चला है कि कुंद्रा की कंपनी को एक दिन में 50 हजार से 10 लाख रुपए तक एक दिन में कमाई होती थी।

सीबीएसई की बड़ी घोषणा

16 अगस्त से 15 सितंबर के बीच होंगी प्राइवेट छात्रों की परीक्षाएं

नई दिल्ली (ए)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को कहा कि वह भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बनाई गई नीति के अनुसार 16 अगस्त से 15 सितंबर, 2021 के बीच निजी श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए परीक्षाएं आयोजित करेगा। सीबीएसई ने कहा, यूजीसी और सीबीएसई सभी छात्रों के हितों को देख रहे हैं और यूजीसी इन छात्रों के परिणाम के आधार पर विश्वविद्यालयों के प्रवेश कार्यक्रम को चरणबद्ध करेगा जैसा कि यूजीसी द्वारा 2020 में किया था।जो सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में पढ़ रहे हैं और पहली बार 10वीं या 12वीं कक्षा की परीक्षा दे रहे हैं। नियमित छात्रों के मामले में, स्कूलों के पास वर्तमान वर्ष के दौरान स्कूलों द्वारा किए गए मूल्यांकन का रिकॉर्ड है। इसलिएउनका परिणाम सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनुमोदित मूल्यांकन नीति के आधार पर घोषित किया जाना है।

सीएए- एनआरसी से देश के नागरिकों का कोई लेना- देना नहीं: मोहन भागवत

गुवाहाटी।(ए)।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक (RSS) प्रमुख मोहन भागवत दो दिवसीय दौरे पर असम में हैं। आज उन्होंने नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर का मुद्दा उठाया और कहा कि इसे राजनीतिक फायदे के लिए सांप्रदायिकता का जामा पहनाया जा रहा है। RSS प्रमुख ने कहा कि CAA से किसी मुसलमान को कोई दिक्कत नहीं होगी। सीएए- एनआरसी से देश के नागरिकों का कोई लेना- देना नहीं है। ।

गुवाहाटी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, 1930 से योजनाबद्ध तरीके से मुस्लमानों की संख्या बढ़ाने के प्रयास हुए, ऐसा विचार था कि जनसंख्या बढ़ाकर अपना वर्चस्व स्थापित करेंगे और फिर इस देश को पाकिस्तान बनाएंगे। ये ?विचार पंजाब, सिंध, असम और बंगाल के बारे में था, कुछ मात्रा में ये सत्य हुआ, भारत का विखंडन हुआ और पाकिस्तान हो गया। लेकिन जैसा पूरा चाहिए था वैसा नहीं हुआ।

RSS प्रमुख ने कहा, 'CAA किसी भारत के नागरिक के विरुद्ध बनाया हुआ कानून नहीं है। भारत के नागरिक मुसलमान को CAA से कुछ नुकसान नहीं पहुंचेगा। विभाजन के बाद एक आश्वासन दिया गया कि हम अपने देश के अल्पसंख्यकों की चिंता करेंगे। हम आजतक उसका पालन कर रहे हैं। पाकिस्तान ने नहीं किया।% एक पुस्तक का विमोचन करने के बाद भागवत ने कहा, %स्वतंत्रता के बाद देश के पहले प्रधानमंत्री ने कहा था कि अल्पसंख्यकों का ध्यान रखना होगा और अब तक यही होता आया है। हम ऐसा आगे भी जारी रखेंगे। CAA के कारण किसी मुसलमान को परेशानी नहीं होगी।% विमोचन किए गए पुस्तक का शीर्षक 'Citizenship debate over NRC and CAA- Assam and the Politics of History' है।

गुवाहाटी में आज मोहन भागवत ने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए इसे सांप्रदायिकता का रंग रूप दिया जा रहा है। NRC के बारे में बताते हुए भागवत ने कहा कि सभी देशों को यह जानने का अधिकार है कि उनके नागरिक कौन हैं। ऋस्स के प्रवक्ता ने बताया कि असम के विभिन्न क्षेत्रों और अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर एवं त्रिपुरा जैसे अन्य पूर्वोत्तर राज्यों से संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ मोहन भागवत ने बैठकें की।

बर्ड फ्लू पर एम्स प्रमुख बोले, बर्ड फ्लू से घबराने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली (ए)। एवियन इन्फ्लूएंजा से देश में पहली मौत की पुष्टि के बीच अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रमुख रणदीप गुलेरिया ने बुधवार को कहा कि एच5एन1 वायरस का मानव से मानव में संक्रमण बहुत दुर्लभ है और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। एम्स निदेशक ने कहा कि हालांकि संपर्क में आने से बचना चाहिए और वायरस के कारण जहां पर बच्चे की मौत हुई, उस क्षेत्र से नमूने लिए जाने की जरूरत है और कुक्कुटों की मौत पर नजर रखनी चाहिए। हरियाणा के 12 वर्षीय लड़के की एच5एन1 वायरस के संक्रमण से हाल में एम्स दिल्ली में मौत हो गई। गुलेरिया ने कहा, ''पक्षियों से मानवों में वायरस का संक्रमण बहुत दुर्लभ है ।

दिल्ली, यूपी, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी।

मानसून देशभर में पूरी तरह सक्रिय हो गया है। दक्षिण से लेकर उत्तर तक मौसम का कहर जारी है। जहां भीषण बारिश के चलते मौसम विभाग ने महाराष्ट्र के पांच जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है, वहीं दिल्ली में लगातार हो रही भीषण बारिश से कई इलाकों में जलजमाव की स्थिति बनी हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने महाराष्ट्र के पांच जिलों के लिए बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है, जिसके अनुसार भारी से

बेहद भारी बारिश हो सकती है। वहीं, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के अनेक हिस्सों में अगले 24 घंटों के दौरान बारिश होने का अनुमान है। यह सिलसिला 23 जुलाई तक जारी रहने की सम्भावना है। राजस्थान के कुछ जिलों में भी छुटपुट स्थानों पर मानसूनी बारिश होने का अनुमान है।

अगले 24 घंटे में इन राज्यों में होगी तेज बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटों के दौरान, दिल्ली, यूपी, बिहार, झारखंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, गोवा, कर्नाटक, ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम और कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

अमृतसर में नवजोत सिद्धू का शक्ति प्रदर्शन, अब तक 15 बड़े नेता पहुंचे

चंडीगढ़। पंजाब की राजनीति में मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह और नवनियुक्त पार्टी अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के बीच विवाद थम नहीं रहा है। मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की टीम ने विवाद को हवा देते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह तब तक नवनिर्वाचित अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू से मुलाकात नहीं करेंगेस जब तक वह सोशल मीडिया के जरिए किए गए हमलों के लिए माफी नहीं मांग लेते। अमरिंदर सिंह की टीम ने मंगलवार देर रात ट्वीट कर यह बात कही है। वहीं दूसरी ओर पंजाब प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने के बाद नवजोत सिंह सिद्धू आज श्री दरबार साहिब में नतमस्तक होंगे। होली सिटी स्थित उनकी कोठी पर विधायकों का आना-जाना शुरू हो गया है। अभी तक कैबिनेट मंत्री तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा, मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, विधायक अमरिंदर सिंह, विधायक राजा वाडिंग, विधायक सुखविंदर डैनी समेत करीब 15 बड़े नाम नेता सिद्धू के आवास पर पहुंच चुके हैं। सिद्धू की टीम की ओर से 65 विधायकों का समर्थन जुटाने का दावा किया गया है।गौरतलब है कि पंजाब कांग्रेस में इन दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है और अगले साल होने जा रहे विधानसभा चुनाव में पार्टी की गाड़ी को बेपटरी कर सकता है। मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के मीडिया सलाहकार रवीन ठकराल ने ट्वीट किया, ये खबरें पूरी तरह झूठी हैं कि नवजोत सिंह सिद्धू मुख्यमंत्री अमरिन्दर सिंह से मिलने के लिये समय मांग रहे हैं। मुख्यमंत्री के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है. वह तब तक सिद्धू से नहीं मिलेंगे जब तक वह सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ की गईं अपमानजक टिप्पणियों पर सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांग लेते। साथ ही पंजाब के मंत्री ब्रह्म मोहिंद्रा ने भी साफ कहा है कि मुख्यमंत्री के साथ नवजोत सिंह सिद्धू की कोई निजी बैठक नहीं हो रही है।

किसानों का कल से दिल्ली कूच

कृषि कानूनों के विरोध में जंतर-मंतर पर रोज 200 किसान जुटेंगे

संसद सत्र के बीच दिल्ली सरकार ने दी इजाजत

नई दिल्ली (ए)। नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों को दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की इजाजत मिल गई है। यह परमिशन 22 जुलाई से लेकर 9 अगस्त तक है। प्रदर्शन का समय सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रहेगा। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने शर्तों के साथ प्रदर्शन की मंजूरी दी है। गुरुवार से शुरू हो रहे किसानों के इस प्रदर्शन में रोज 200 से ज्यादा किसान शामिल नहीं हो सकेंगे। साथ ही उन्हें कोरोना प्रोटोकॉल का भी ध्यान रखना

होगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई के सूत्रों के मुताबिक दिल्ली पुलिस की ओर से भी प्रदर्शन की परमिशन मिल चुकी है। बताया जा रहा है कि किसान सिंघु बॉर्डर से पुलिस एस्कॉर्ट में जंतर-मंतर तक ले जाए जाएंगे। खास बात ये है कि इस वक्त संसद का मानसून सत्र भी चालू है जो 13 अगस्त तक चलेगा। किसान संगठनों की मंगलवार को दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के साथ मीटिंग हुई थी। इसके बाद किसानों ने कहा था कि वे मानसून सत्र के दौरान जंतर-मंतर पर ही किसान संसद लगाएंगे। इस दौरान वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हुए कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग करेंगे। इस दौरान कोई भी प्रदर्शनकारी संसद में नहीं जाएगा।

26 जनवरी को रैली में हुई थी हिंसा

इसी साल 26 जनवरी को लाल किले तक किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान हुई हिंसा के बाद उन्हें पहली बार दिल्ली में प्रदर्शन की इजाजत मिली है। 26 जनवरी की रैली के दौरान प्रदर्शनकारी उग्र हो गए थे और कई उपद्रवियों ने लाल किले में घुसकर पुलिसकर्मियों से मारपीट की थी और किले की प्राचीर पर धार्मिक झंडा भी फहरा दिया था।

केंद्र और किसान दोनों अड़े

देश के किसान नए कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले साल दिसंबर से दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान किसान संगठनों की केंद्र सरकार से 10 दौर की बातचीत भी हो चुकी है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका है। किसान तीनों कृषि कानून रद्द करने की मांग पर अड़े हैं। वहीं केंद्र सरकार का कहना है कि वह किसानों की मांगों के मुताबिक कानूनों में बदलाव कर सकती है, लेकिन कानून वापस नहीं लिए जाएंगे।

कोरोना का नए तरह का केस:

असम की महिला डॉक्टर कोरोना के दो वैरिएंट से संक्रमित

वैक्सीन की दोनों डोज ले चुकी थी

डिब्रूगढ़ (ए)।

असम के डिब्रूगढ़ में एक महिला डॉक्टर कोरोना के दो वैरिएंट्स (अल्फा और डेल्टा) से संक्रमित पाई गई है। खास बात यह है कि वो वैक्सीन की दोनों डोज लगवा चुकी थीं। रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर डिब्रूगढ़ के सीनियर साइंटिस्ट डॉ. बीजे बोरकाकोटी ने इसकी जानकारी दी है।

डॉ. बोरकाकोटी ने बताया कि डबल इंफेक्शन किसी अन्य मोनो-संक्रमण के समान है। ऐसा नहीं है कि दोहरे संक्रमण से बीमारी गंभीर हो जाएगी। हम केस पर एक महीने से नजर बनाए हुए हैं। वह बिल्कुल

ठीक हैं। चिंता जैसी कोई बात नहीं है।

डबल इंफेक्शन कैसे होता है?

डॉ. बोरकाकोटी ने कहा कि डबल इंफेक्शन तब होता है जब दो वैरिएंट एक व्यक्ति को एक साथ या बहुत कम समय में संक्रमित करते हैं। संक्रमण के बाद एंटीबॉडी बनने में 2-3 दिन का समय लगता है, लेकिन कभी-कभी इसके भीतर ही दोनों वैरिएंट एक्टिव हो जाते हैं। इससे पहले ऐसे मामले ब्रिटेन, ब्राजील और पुर्तगाल में सामने आ चुके हैं। हो सकता है यह भारत का पहला केस हो।

लीनिएज A+B से एकसाथ संक्रमण कॉमन नहीं- डॉ अनुराग अग्रवाल

महिला डॉक्टर के पति भी अल्फा वैरिएंट से संक्रमित थे। दिल्ली में CSIR-IGIB के निदेशक डॉ अनुराग अग्रवाल ने बताया कि लीनिएज A से संक्रमित होना और लीनिएज क्क से रिइंफेक्शन होना काफी कॉमन है लेकिन लीनिएज्ञ+क्कसे एक साथ संक्रमण के भी कुछ केस मिले हैं।

विधानसभा चुनाव के बाद डेल्टा वैरिएंट के केस मिले

असम में इस साल फरवरी-मार्च के आसपास असम में दूसरी लहर के शुरुआती चरण में कोरोना के ज्यादातर मामले अल्फा वैरिएंट के थे। फिर अप्रैल में विधानसभा चुनाव के बाद डेल्टा वैरिएंट के केस सामने आने लगे। उत्तर-पूर्वी राज्यों में इन दिनों कोरोना मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। दूसरी लहर की पीक के दौरान मई में असम में 6,500 से अधिक केस मिले थे। सोमवार को 1,797 नए मामले सामने आए।

मिसाइल का सफल परीक्षण स्वदेश में की गई है विकसित

नई दिल्ली (ए)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बुधवार को स्वदेश में विकसित कम वजन वाली फायर एंड फॉरगेट मैन-पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। डीआरडीओ ने कहा कि आत्मानिर्भर भारत को बढ़ावा देने और भारतीय सेना को मजबूत करने की दिशा में संगठन ने मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। डीआरडीओ ने कहा कि मिसाइल को एकीकृत मानव-पोर्टेबल लॉन्चर से लॉन्च किया गया था। एक टैंक के प्रतिरूप को इसका लक्ष्य बनाया गया था।

नदी किनारे मिले नर कंकाल, क्षेत्र में फैली सनसनी

नवनीत एक्सप्रेस शिवपुरी। खबर जिले के पिछोर अनुविभाग के भौंती थाना क्षेत्र के जंगल में स्थिति नदी की है। जहां नदी में मामा और भांजे के नर कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। इस मामले की सूचना पर भौंती थाना प्रभारी पूनम सविता सहित एसडीओपी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए है। इस घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार भौती थाना क्षेत्र के परेवा दांत दर्शनीय स्थल के पास आज दोपहर पुलिस को दो नर कंकाल मिलने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना के तुरंत बाद ही भौती थाना प्रभारी निरीक्षक पूनम सविता सिंह घटनास्थल पर पहुंची। एवं नर कंकालों को देखने के बाद तुरंत अपने वरिष्ठ अधिकारीओं को अवगत कराया। जिस पर पिछोर एसडीओपी देवेंद्र सिंह कुशवाह ने मौके पर पहुंचकर दोनों नर कंकालों का बारीकी से निरीक्षण किया। जिसके बाद नर कंकालों के पास मिले आधार कार्ड आदि से पता चला कि यह नर कंकाल राजेन्द्र परिहार पुत्र मोतीलाल नदिया नयाखेड़ा एवं सुखबीर परिहार पुत्र अजब सिंह परिहार ग्राम लोटना के रूप में पहचान की गई है। जानकारी मिलने के कुछ समय बाद ही मृतकों के परिवार वालो ने भी पहुंच कर कंकालों की शिनाख्त की हैं। यह दोनों रिश्ते में मामा भांजे लगते है। भौंती थाना प्रभारी के अनुसार यह दोनों व्यक्ति 3 जुलाई से घर से लापता थे। लेकिन अभी तक घर वालों ने किसी थाने में कोई प्राथमिकता दर्ज नहीं करवाई परंतु पुलिस अभी भी बारीकी से जांच करते हुए मामले को हत्या से जोड़कर देख रही है।

सट्टा किंग खचेरा के बाद अब 'दुरंगा' ने सम्हाली जिले की सट्टा 'फ्रेंचाईजी' की कमान

धड़ल्ले से चल रहा सट्टा कारोबार पुलिस फैल

जुगल उर्फ 'खचेरा' पर राजनीतिक संरक्षण के चलते नही हो पा रही जिलाबदर की कार्यवाही।

पूर्व में कलेक्टर तरुण राठी ने किया था जिलाबदर

खचेरा ने जाना भारतीय दंड संहिता की कमियों को, इसलिये उठा रहा फायदा।

अगले दिन धूत क्रीड़ा अधिनियम' में जमानत कर फिर सम्हाली गद्दी।

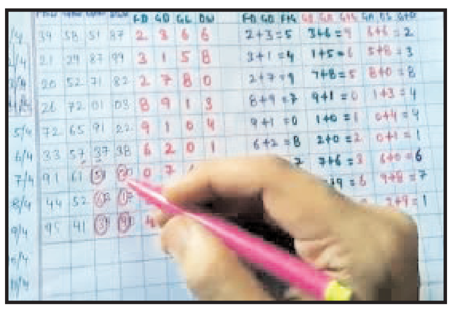

नवनीत एक्सप्रेस शिवपुरी।
नगर में इन दिनों सट्टे का अवैध कारोबार जोर शोर से चल रहा है। 1 रुपए को 90 रुपया बनाने के चक्कर में खासकर युवा वर्ग अधिक बर्बाद हो रहे हैं। सट्टे के इस खेल को ब?ावा देने सटोरी ग्राहकों को मुफ्त में स्कीम देखने सट्टे नंबर वाले चार्ट उपलब्ध करा रहे हैं। इसका गुणा भाग कर ग्राहक सट्टे की चपेट में बुरी तरह से फंस कर पैसा इस अवैध कारोबार में गंवा रहा है। नगर में फिजीकल थाना क्षेत्र के कमलागंज में एक बार फिर से सट्टा किंग खचेरा ने भाई सहित अपने फ?ी का संचालन शुरू कर दिया हैं। किशन बैंड अपने फ?ीम संचालन शुरू कर दिया हैं।किशन बैंड वाली गली,नट का नीम से लेकर टेलर की दुकान में पर्ची कटना शुरू हो गयी हैं सट्टे लिखवाने वालों की भी? देखी जा सकती है। खाईवालों के चक्रव्यूह में लोग इस कदर फंस चुके हैं की इससे उबर नहीं पा रहे हैं। नगर में एक दो नही बल्कि कई सारे खाईवाल लंबे समय से सट्टा संचालित कर रहे हैं। पुलिस और खाईवालों की मिलीभगत से यह अवैध कारोबार नगर सहित आस पास के अंचल में पुरी तरह से चरम पर है। खाईवालों ने भी गांव व नगर में अपना-अपना जोन बंटा हुआ है। एक दूसरे के जोन में कोई दखल नहीं देता है। राजनैतिक पहुंच और पुलिस से सांठगांठ के चलते ये अवैध कारोबार को बाकायदा लाइसेंसी कारोबार के रूप में खुले आम शहर में संचालित हो रहा है। पुलिस और खाईवालों की सेटिंग इतनी तग?ी है कि ऊपर अधिकारियों को दिखाने ये खाईवाल अपने गुर्गो के नाम हर महीने एक-एक प्रकरण बनवा देते हैं। ऊपर बैठे अफसरों को लगता है पुलिस कार्रवाई कर रही है। जबकि वास्तव में ये सांठगांठ का एक पहलू होता है। सवाल ये है कि जब पुलिस हर महीने सटोरियों के गुर्गों के खिलाफ कार्रवाई करती है तो फिर उनसे पूछताछ कर खाईवालों तक क्यों नहीं पहुंच पाती।

नशे में धुत्त 108 के चालक ने महिला को रौंदा, 108 खाई में गिरी

नवनीत एक्सप्रेस शिवपुरी। खबर जिले के खनियाधाना थाना अंतर्गत ग्राम देवरी के समीप मुख्य मार्ग पर ग्राम देवरी की है। जहां एक एंबुलेंस चालक ने लापरवाही से एंबुलेंस चलाते हुए एक महिला को रौंद दिया। जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई घायल महिला का नाम रामकली कुशवाह निवासी है जो देवरी खनियाधाना निवासी है खनियाधाना से गाँव लौटते समय से समय यह घटना घटित हुई है। इस मामले में महिला के परिजनों का आरोप है कि ड्रायवर शराब के नशे में धुत्त था। जिसके चलते उसने रोड पर साईड में खडी महिला रामकली को रौंद दिया। और अनियंत्रित एंबुलेंस खाई में जा गिरी और मोके से एंबुलेंस का ड्राइवर फरार हो गया। महिला की हालत गंभीर महिला को किया झांसी रेफर किया है। ग्रामीणों का कहना कि 200 मीटर पहले से हुई एंबुलेंस अनियंत्रित और महिला को रौंदते हुए जाकर खाई में गिर गई । परिजनों का कहना कि एंबुलेंस का ड्राइवर नशे में धुत था। इस मामले में पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है चालक मौके से फरार बताया जा रहा है पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। गनीमत रही कि इस एम्बुलेंस में कोई मरीज नहीं था। बरना बडा हादसा होना तय था।

प्रदेश के 4लाख से अधिक कर्मचारियों को हर महीने 7000 से 32000 तक का नुकसानः रावत

डेढ़ साल से महंगाई भत्ता एवं इंक्रीमेंट नहीं मिला

नवनीत एक्सप्रेस शिवपुरी। न्यू मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन संघ के राष्ट्रीय संयोजक जनक सिंह रावत द्वारा बताया गया कि प्रदेश के कर्मचारियों को डेढ़ साल से महंगाई भत्ता नहीं दिया गया है जबकि केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों का 28त्न महंगाई भत्ता दिया जा रहा है दूसरी तरफ राज्य सरकार अपने कर्मचारियों को 12त्न महंगाई भत्ता दे रही है एवं वार्षिक वेतन वृद्धि भी कर्मचारियों को नहीं लगी है जिससे प्रत्येक कर्मचारी को ?7000 से लेकर ?32000 तक का नुकसान हर महीने हो रहा है यह तो कर्मचारियों के साथ घोर अन्याय है एक तरफ केंद्र सरकार द्वारा भी अपने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 28त्न कर दिया गया है लेकिन राज्य सरकार ने अभी तक अपना महगाई भत्ता नहीं बढ़ाया है पिछ्ली सरकार के समय जो 12त्न महंगाई भत्ता मिल रहा था वही मिल रहा है इससे कर्मचारियों में घोर निराशा एवं आक्रोश का माहौल है कर्मचारियों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है एक तरफ महंगाई भत्ता वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं लगी है दूसरी तरफ 2005 के बाद के कर्मचारियों को पेंशन फण्ड में भी वेतन से 10त्न की कटौती हो रही है जो न्यू पेंशन स्कीम में जमा हो रही है जो शेयर बाजार मैं लगी हुई है न्यू पेंशन स्कीम बाजार आधारित स्कीम है इसमें भी कर्मचारियों की वेतन से मोटी रकम जा रही है और पेंशन भी निश्चित नहीं है कि आपको कितनी पेंशन मिलेगी न्यू पेंशन स्कीम का झुनझुना पकड़ा दिया गया है जो शेयर मार्केट आधारित है संघ माननीय मुख्यमंत्री महोदय से मांग करता है कर्मचारियों का रुका हुआ महंगाई भत्ता एवं इंक्रीमेंट को पुनः बहाल किया जाए पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में भी महंगाई भत्ता और इंक्रीमेंट दिया जा चुका है मध्य प्रदेश में क्यों नहीं यह सवाल हर कर्मचारी का सरकार से है।

वन-टू-वन

स्वरोजगार स्थापना हेतु बेबिनार आज से 24 जुलाई तक

नवनीत एक्सप्रेस शिवपुरी। उद्यमिता विकास केन्द्र म.प्र. (सेडमैप) भोपाल द्वारा शिवपुरी जिले के युवाओं जो स्वयं का उद्योग, व्यवसाय स्थापित करना चाहते है, उनके लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण (बेविनार) उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 22 जुलाई से 24 जुलाई दोपहर 02 बजे से सायं 05 बजे तक किया जा रहा है। जिला समन्वयक सेडमैप अनिल शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण में शासन द्वारा दी जा रही सुविधाएँ- प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुद्रा ऋण, स्फूर्ति योजना, पी.एम.एफ.एम.ई., सेवा क्षेत्र में स्थापित होने वाली इकाईयों की जानकारी, उद्योग क्षेत्र में स्थापित होने वाली इकाईयों की जानकारी, स्वरोजगार स्थापना हेतु ऋण आदि की जानकारी विस्तृत रूप से दी जाएगी। जिसमें इच्छुक महिला एवं पुरूष भाग ले सकते है। बेविनार में स्वरोजगार स्थापना हेतु विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी। जिले में पाये जाने वाले कच्चा माल, भौतिक संसाधनों आदि पर आधारित उद्योग व्यवसायों को स्थापित कर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते है। साथ ही लोकल फॉर बोकल अभियान की ओर अग्रसर होकर अपना उद्यम स्थापित कर सकते हैं। उक्त प्रशिक्षण ऑन-लाइन (बेविनार) पर आधारित रहेगा। जिसमें प्रशिक्षण पश्चात विभाग द्वारा प्रमाण-पत्र भी प्रदाय किया जाएगा। साथ ही स्वरोजगार स्थापना हेतु शासन की विभिन्न विभागों मे संचालित योजनाओं में ऋण आवेदन करने हेतु तथा स्वयं के उद्योग आधार पंजीयन करने में सेडमैप द्वारा सहयोग प्रदाय किया जाएगा। कोरोना संक्रमण को देखते हुए उक्त कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी उद्यमिता विकास केन्द्र म.प्र. शिवपुरी (सेडमैप) के जिला समन्वयक अनिल शर्मा के मोबाइल नं. 9993274801 पर भी प्राप्त की जा सकती है।

अंकुर अभियान की समीक्षा, वृक्षारोपण अभियान में करें भागीदारी

नवनीत एक्सप्रेस शिवपुरी। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने बैठक में अंकुर अभियान की समीक्षा की। सभी अधिकारियों को कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी है। अंकुर अभियान के तहत सभी विभाग के जिला अधिकारी अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस अभियान से जो?ें। सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ ही उनके परिजन भी इस अभियान से जुड़े और वृक्षारोपण करें। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने निर्देश देते हुए कहा है कि सभी वायुदूत ऐप डाउनलोड करें। वृक्षारोपण की मॉनिटरिंग के लिए अपने अधीनस्थों से व्हाट्सएप ग्रुप में फोटो मंगवाए। पौधा लगाने के साथ ही वायुदूत एप पर ?ोटो अपलोड करना है।

अंकुर अभियान के तहत बाँकड़े मंदिर पर किया वृक्षारोपण

अंकुर अभियान के तहत वुधवार को बाँक? मंदिर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल सहित जिला आबकारी अधिकारी वीरेंद्र धाक?, तहसीलदार भूपेंद्र सिंह, मंदिर प्रबंधन के लोगों ने मंदिर परिसर में वृक्षारोपण किया। मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं अन्य नागरिकों ने भी वृक्षारोपण करके अंकुर अभियान में भागीदारी की। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में 51 पौधे रुपए गए जिसमें आम अशोक के पौधे लगाए गए।

खरीफ फसलों में सामायिक परामर्श एवं तकनीकी सलाह विषय पर प्रशिक्षण आज

नवनीत एक्सप्रेस शिवपुरी। कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी द्वारा जल शक्ति अभियान अंतर्गत खरीफ फसलों में सामायिक परामर्श एवं तकनीकी सलाह विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 22 जुलाई को दोपहर 1 से 2.30 बजे तक ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा। कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण से किसान Google Meet ink: https://meet.google.com/bnf-wbvk-ejz के माध्यम से जुड़ा जा सकता है।

जिले में 224.11 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

नवनीत एक्सप्रेस शिवपुरी। जिले में 01 जून 2021 से अभीतक 224.11 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। जिले में गत वर्ष आज दिनांक तक 193.18 मि.मी.औसत वर्षा हुई थी। भू-अभिलेख शिवपुरी के अधीक्षक ने बताया कि जिले की औसत वर्षा 816.3 मि.मी. है। गत वर्ष जिले में कुल 822.4 मि.मी. वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। उन्होंने बताया कि अभी तक शिवपुरी में 195 मि.मी., बैरा? में 283 मि.मी., पोहरी में 217 मि.मी., नरवर में 353। मि.मी., करैरा में 242 मि.मी., पिछोर में 192 मि.मी., कोलारस में 213 मि.मी., बदरवास में 155 मि.मी. एवं खनियाधाना में 166 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

समय सीमा पत्रों का समय पर निराकरण करें कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह अंतर विभागीय समन्वय बैठक में दिए निर्देश

नवनीत एक्सप्रेस शिवपुरी। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने अंतर विभागीय समन्वय बैठक में समीक्षा करते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को समय सीमा पत्रों का समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहां है कि अब कोरोना की स्थिति अभी नियंत्रण में है ऐसे में सभी विभागीय अधिकारी अपने अपने विभाग के कार्य योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें लापरवाही दिखने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। बैठक में वरिष्ठ कार्यालय, विभिन्न आयोगों से प्राप्त पत्र सीएम हेल्पलाइन सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने सीएम हेल्पलाइन के संबंध में निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि एल1 स्तर पर ही अधिकारी शिकायतों को देखें। प्रति सप्ताह बैठक में इसकी मॉनिटरिंग की जाती है। सभी विभागों की शिकायतों में कमी दिखना चाहिए। बैठक में खाद्यान्न वितरण व्यवस्था में अनियमितता करने वाले के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। सहकारिता विभाग के जिला प्रबंधक को निर्देश दिए हैं कि कॉपरेटिव इंस्पेक्टर फील्ड में जाएं। संबंधित क्षेत्र के

अंकुर कार्यक्रम के तहत ग्राम देवगढ़ में विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

नवनीत एक्सप्रेस शिवपुरी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड खनियाधाना अंतर्गत अंकुर कार्यक्रम के तहत ग्राम देवगढ़ में विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण एवं बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक धर्मेंद्र सिंह सिसोदिया, विकासखंड समन्वयक देवी शंकर शर्मा द्वारा अंकुर अभियान अंतर्गत वायुदूत ऐप डाउनलोड करने संबंधी प्रशिक्षण दिया गया एवं लोगों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा अन्य लोगों को भी इस अभियान से जु?ने हेतु प्रेरित करने के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही कोरोना वैक्सीन हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में जन जागरण करने एवं लोगों को अधिक से अधिक टीकाकरण करवाने हेतु प्रेरित करने के बारे में बताया गया। बैठक के उपरांत उपस्थित अतिथियों द्वारा 25 पौधों का रोपण किया गया। जिसमें अमरूद एवं नींबू के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में 50 लोगों द्वारा अपने मोबाइल में वायुदूत ऐप्प डाउनलोड कर पंजीयन किया गया। उक्त कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के वालंटियर, प्रस्फुटन एवं नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा नमन संस्था के प्रतिनिधि जयंत सिंह एवं वृंदावन लोधी का विशेष सहयोग रहा। बैठक के उपरांत ग्राम श्रीनगर में भ्रमण किया गया एवं आजीविका परियोजना के द्वारा संचालित गणवेश केंद्र का निरीक्षण किया गया।

तीसरी लहर को न्यौता, कागजों में पार्क बंद, साइड से इंट्री चालू

पार्क में नगरपालिका के 22 कर्मचारी तैनात,व्यवस्थाओं के नाम पर जनता को दिखा रहे अंगूठा।

हर माह नगरपालिका करीब 2 लाख रुपये वेतन कर रही इन कर्मचारियों पर बर्बाद

देर शाम जमती है महफिल, झलकते है जाम।

नवनीत एक्सप्रेस शिवपुरी। एक ओर प्रदेश सरकार कोरोना की महामारी से निपटने के लिए हर सम्भव प्रयास में जुटी है। तो वहीं कुछ विभाग के अधिकारी ऐसे भी हैं जो इस कोरोना काल की आपदा में अवसर ढूंढने में लगे हुए है। ज्ञात हो कि कोरोना के चलते वीते मार्च 2020 से ज्यादातर पार्कों को जनता के लिए बंद रखा गया है। परन्तु इन पार्कों पर जो बजट खपाया जा रहा है। उस बजट का खपना आज भी बदस्तूर जारी है। जबकि सरकारी राशि खर्च होने के बाद भी इन पार्कों की स्थिति वद से बत्तर है। ऐसा ही वर्षो पुराना एक पार्क ÷वीर सावरकर पार्क÷ शिवपुरी शहर के हृदय स्थल पर है जिसे कोरोना काल में नगरपालिका शिवपुरी के कर्मचारियों ने मिलीभगत के चलते आपदा में अवसर बना डाला, हरा भरा रहने वाला यह पार्क अपने हालात पर आंसू बहा रहा है , परन्तु जिम्मेदारों की मौज अब भी जारी है। बता दें कि इस पार्क को संजोय रखने के लिए शिवपुरी नगर पालिका के 24 कर्मचारी कार्य कर रहे है जिनपर पौने 2 लाख रुपए हर माह नगरपालिका शिवपुरी द्वारा बेतन भी दिया जा रहा है। परन्तु इस पार्क को संजोने में लगाये गए कर्मचारीयों द्वारा अपना धर्म नहीं निभाया गया। वहीं सूत्रों की माने तो पार्क के नाम से बेतन प्राप्त करने वाले कर्मचारी किसी अधिकारी की गा?ी चलाने में लगे हुए है तो कुछ सरकारी कोठियों की जिम्मेदारी संभालने में लगे हैं। जब इस मामले में नगर पालिका के अधिकारियों से जानना चाहा तो दो जिम्मेदार अधिकारियों ने अलग अलग जबाब दे दिये एक अधिकारी ने पार्षद पर आरोप लगा दिया तो दूसरा कोरोना का हवाला देते हुए नजर आएं।

इनका कहना हैं

जैसा कि वर्तमान में कोरोना को देखते हुए जो कर्मचारियों शहर को अन्य स्थानो पर भी कार्यो में लगाया गया था जैसे कि सेनेटाइजर आदि जो अन्य कार्य हैं उस कारण से इस ओर कम ध्यान दे पाया गया था अब कोरोना पर कंट्रोल हैं तो बापिस बरसात के आने से पहले पार्कों को पुनः सुधार दिया जाएगा।

योगेश शर्मा
एस आई नगर पालिका शिवपुरी

में जब भी चेक करने जाता हूँ। तो मुझे कर्मचारी अनुपस्थित मिलते हैं जिनकी में नागा भी लगता हूँ। लेकिन जो पूर्व पार्षद हैं। वो मुझे कह देते हैं अरे वो तो हाजिर हैं लेकिन में जब भी वहाँ चेक करने जाता हूँ तो मुझे अनुपस्थित मिलते हैं। सफाई या गु?ाई की कहने जाता हूँ तो मुझे बोल दिया जाता हैं कि वो तो हो रही हैं परंतु कर्मचारी हमेशा इधर उधर बैठे हुए मिलते हैं।

कारण बाथम
पार्क प्रभारी नगर पालिका शिवपुरी

सा हित्य

उद्देश्य

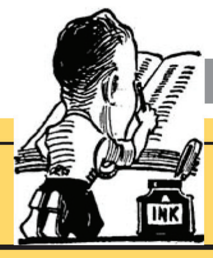

बहुत से लोग अपनी खुशी के लिए लिखते हैं तो बहुत से लोग दूसरों के मनोरन्जन के लिए लिखते हैं। कुछ ऐसे लेखक भी हैं जो लोगो के कल्याण के लिए लिखते हैं।

काव्य कुंज

तुम बिन जग

तुम बिन जग
है तमस भरा माटी का
ढेला
रज अपनी सत्ता
पहचाने
तुम से ही है वो ये
जाने
अंधकार में दीप
जलाकर
जीवन को दे जाते
माने
देख तुम्हें
अंतर में, मन का
लगता मेला
ज्ञात नहीं कब माटी
फिर से
माटी में जाकर रिल
जाये
अंश तेरा जो अलग
हुआ था
जाने कब तुममें मिल
जाये
ज्योति-पुंज
का रूप अनोखा माटी
में आ खेला
दुख-सुख का ये कैसा
जाला
मनुज फँसा औ जीवन
हारा
भूख प्यास पीड़ा
मलीनता
का नर्तन इस जग में
न्यारा
हरे बने रहें
मन उपवन, माटी ने
हँस झेला

गीता पंडित

कविता

मैं मनुष्य हूँ

पूछो नहीं नाम मेरा
मैं बड़ा अभागा हूँ
मैं लक्ष्यहीन पंथहीन
राहों की छाया हूँ
मैंने कितने अनर्थ
किए
कार्य कितने व्यर्थ
किए
स्वार्थ अपने पूर्ण करने
को
औरों के हक छीनने
को
मनुष्य जन्म लेकर मैं
आया हूँ
विकट संकट की
प्रतिछाया हूँ
निद्रा मेरी अब टूटी है
जब जीर्ण शीर्ण
संस्कृति बची है
चारों ओर अशांति
मची है
देश अब इन भूतों के
लिए खंडहर शेष
यह देश का अब चिह्न
विशेष
कुरूप अब एक काया
हूँ
क्योंकि मैं मनुष्य
जन्म लेकर आया हूँ।

नीहारिका झा पाण्डेय

मेघ मल्हार

तान-तान के तड़-तड़
की
गावत मेघ मल्हार
छन-छन नाचें आँगन
में
सावन की बौछार
हरियाली की हरी
चुनरिया
धरती करे श्रृंगार
मस्त श्यामल
आसमान का
उमड़त घुमड़त प्यार
तन में बिजली-सी
दौड़ाती
ठंडी पुरवा ब्यार
वन-वन डोले मन का
मयूरा
पिहु-पिहु करे पुकार
छके छकाए ताल
तलैया
दादुर चढ़े खुमार
बाग बगीचे कोयल
कूके
पपीहा बैठे डार
गाँव-गाँव बगिया-
बगिया में
झूले अमुआ डार
सखा सखी झूले पर
करते
हँसी ठिठोल अपार
रचा हथेली बैठ
सहेली
पीहर में दिन चार
पनघट बगिया गैल
अटरिया
बहती बतरस धार

पुष्पेंद्र शरण पुष्प

कहानी

पापा तुम कहां हो

अलका प्रमोद

बाहर ज़ोरों की आंधी आई थी मानो टीन और छतों को सामना करने के लिए ललकार रही हो। तभी आंधी के कारण बिजली चले जाने से वातावरण और भी रहस्यमय हो उठा।

इतने बड़े घर में एकाकी बैठे रामेश्वर जी का हृदय अज्ञात आशंका से काँप उठा वह सोचने लगे कि यदि इस भयावह रात में उन्हें कुछ हो जाये तो वह किसे पुकारेंगे? अपनी इस वीभत्स कल्पना मात्र से ही वह सिहर उठे और अपने विचारों को झटक कर मोमबत्ती ढूँढ़ने का प्रयास करने लगे। उन्हें याद भी नहीं आ रहा था कि घर में मोमबत्ती है भी कि नहीं और यदि है भी तो कहाँ रक्खी है। यह सब तो मालती का दायित्व था।

मालती ने तो सारे झंझटों से मुक्त हो कर परलोक की राह पकड़ी। वह तो प्राय: ईश्वर को धन्यवाद देती थी और कहती, शकुन के पापा ऊपर वाले का धन्यवाद है कि उसने भले ही हमे लड़का नहीं दिया पर हमारी तीनों बेटियां और दामाद इतने भले हैं कि हमें कोई कमी नहीं।

मालती थी तो यही घर कितना भरापूरा रहता था। आए दिन कोई न कोई लड़की दामाद आते ही रहते थे, यही नहीं छोटे भाई बशेशर जो पास में ही रहते थे, उनका बेटा दिनेश भी दूसरे तीसरे दिन चक्कर लगा ही लेता था।

उस दिन जब रामेश्वर दुकान से लौटे तो मालती के सीने में दर्द हो रहा था। उन्होंने उसका माथा छूते हुए पूछा था, क्या हुआ मालती? तो बड़े प्रयास से वह कराह कर बोली,ज़रा कोई चूरन-वूरन दे दो लगता है गैस चढ़ गई है, सीने में दर्द हो रहा है। जब तक रामेश्वर जी ढूंढ कर चूरन और पानी लाए, मालती के हाथ पांव ठंडे होने लगे, वह बेसुध सी हो गई। मालती की स्थिति देख कर रामेश्वर जी के हाथ पाँव यों ही ठंडे हो गए, उन्होंने दिनेश और राजीव को काँपते हाथों से फ़ोन मिलाया।

राजीव तुरंत पहुँच गए और दोनों मिल कर मालती को पास के रामा नर्सिंग होम में ले गए। तब तक दिनेश भी आ पहुँचा था। अस्पताल में डॉ. मेहरा ने निरीक्षण करके बताया, इन्हें दिल का दौरा पड़ा है।

रामेश्वर घबरा गए और बोले,डॉ. साहब अब क्या होगा?

डॉ. ने कहा, तुरंत आपरेशन करना होगा।

पर वह निष्फल रहा, मालती सबको हतप्रभ छोड़ कर चली गई।

बेटियों, दामादों और भाई ने मिल कर तीसरे दिन हवन करने का निश्चय किया, तेरह दिन रुकने का समय तो किसी के पास था नहीं, किसी के बच्चों की परीक्षा थी तो किसी का घर अकेला था। तीसरे दिन शांति पाठ और हवन के साथ मालती के अस्तित्व को पूर्ण रूप से विदा दे दी गई। शांतिपाठ वाले दिन रामेश्वर जी निढाल से बैठे थे कि उनके भाई बशेशर आ कर बैठ गए और बोले,भइया एक बात कहनी थी,हां हां बोलो।

भइया भाभी तो हमें छोड़ कर चली गई, बेटियाँ अपने घर की हो गईं अब हमें तो बस आपकी चिंता खाए जा रही है।

रामेश्वर ने कहा, अरे, अब ऊपर वाले ने जैसा किया वह तो सहना ही पड़ेगा, फिर तुम लोग तो हो ही, दिनेश और उसकी बहू तो दूसरे तीसरे दिन आते ही रहते हैं। बशेशर ने अपनी बात थोड़ी और स्पष्ट करते हुए कहा,

हमारा तो यह कहना था कि आप उसे अपना बेटा बना लें। उसे दुकान सौंप कर तुम आराम करो, जब ज़िम्मेदारी उसके सिर आएगी तो उसे भी लगेगा कि दुकान उसकी है और वह मन लगा कर काम करेगा और बहू भी तुम्हारी सेवा करेगी।

दोनों की वार्ता चल ही रही थी कि छोटे दामाद राजीव और बड़ी बेटी शकुन वहाँ आ गए। शकुन के अधिक आग्रह पर रामेश्वर ने बता दिया कि बशेशर क्या चाहता है। यह सुन कर शकुन और राजीव की भृकुटि तन गई। शकुन बोली, क्यों हम बेटियाँ मर गई हैं क्या जो पापा दिनेश को गोद लेंगे। राजीव भी बोले,मैंने भी सदा पापा को ससुर नहीं पिता माना है फिर आज अचानक मुझे पराया समझा जाने लगा। जो प्रश्न हवा में उछला था उसे सबसे पहले छोटे दामाद और बेटी ने लपका। प्रीति बोली, अब समझ में आया कि दिनेश और उसकी पत्नी मम्मी पापा की इतनी सेवा क्यों करते थे? फिर इससे पूर्व कि कोई और नया प्रस्ताव रखे उसने सुझाव दिया, मैं वैसे भी सोच रही थी कि अब पापा इतने बड़े घर में अकेले कैसे रहेंगे, फिर मैं भी इतनी दूर से उनकी देखभाल नहीं कर पाऊँगी, इसीलिए मैं यहीं शिफ्ट हो जाती हूँ, मेरी आँखों के सामने रहेंगे तो मुझे भी चिंता नहीं रहेगी और पापा को अकेलापन भी नहीं लगेगा।

शकुन बोली,पापा कल तो हम लोग चले जाएँगे इसीलिए आप आज ही तय कर लीजिए कि आपने क्या सोचा? रामेश्वर जी आवेश में बोले,जाना है तो तुम लोग जाओ अभी मैं इतना निर्बल नहीं हुआ कि अकेले न रह सकूं। एक बात कान खोल कर सुन लो कि मैं तुमको कुछ नहीं दूँगा। अगले दिन सभी अपने-अपने घर चले गए।

अचानक बिजली आ गई शायद आँधी थम गई थी सबके जाने के बाद अब तो बस रामेश्वर जी थे और मालती की स्मृतियाँ। जब से उन्होंने कह दिया है कि वह किसी को कुछ नहीं देंगे सब उनसे किनारा कर बैठे हैं। एक दिन शकुन अपने कार्यों में व्यस्त थी कि तभी किसी ने घंटी बजाई, उसने द्वार खोला तो सामने कूरियर वाला खड़ा था। पापा का भेजा हुआ पांच लाख रुपयों का ड्राफ्ट था, शकुन प्रसन्नता से नाच उठी, उसने प्रीति को फ़ोन किया तो ज्ञात हुआ कि उसके पास भी ऐसा ही एक ड्राफ्ट आया है, अभी वह विपुला को फ़ोन करने की सोच ही रही थी कि विपुला ने स्वयं ही पांच लाख रुपए मिलने की सूचना दे दी। तीनों बहनें पापा से मिलने को व्यग्र हो गईं। पापा के घर पहुंचीं, पर घर पर ताला लगा था, उन्होंने सोचा पापा दुकान पर होंगे पर दुकान भी बंद थी।

अत: पड़ोस वाले वर्मा जी का दरवाज़ा खटखटाया। वर्मा जी ने कंधे उचकाते हुए कहा, मुझे तो बस इतना ही पता है कि रामेश्वर जी एक सप्ताह पूर्व अपना मकान और दुकान बेच चुके हैं। फिर कुछ रुक कर बोले, हम तो समझते थे कि वह तुम लोगों के ही पास होंगे। तीनों बहनें हतप्रभ रह गईं वे एक दूसरे से आंख नहीं मिला पा रही थीं क्योंकि वह समझ गईं थीं कि पापा उनसे रूठ गए हैं और उन्हें कभी नहीं मिलेंगे। आज उनके मन में एक ही प्रश्न था पापा तुम कहाँ हो?

संस्मरण

करोगे याद तो

पराग कुमार मांदले

मंदिरों का शहर है मेरा उज्जैन। कहते हैं, पूरा एक बोरा चावल लेकर निकले कोई और एक मंदिर पर एक चावल चढ़ाए, तो भी चावल ख़त्म हो जाएंगे, मंदिर नहीं। उज्जैन में सनातन धर्म की हर शाखा का एक बड़ा केंद्र है। देवी के नौ सिद्धपीठों में से एक हरसिद्धि देवी, भगवान कृष्ण की शिक्षा स्थली ऋषि सांदिपनी का आश्रम, कालभैरव सहित तांत्रिकों के अनेक प्रख्यात साधना स्थल, ज्योतिष एवं आकाशीय गणनाओं का प्रमुख केंद्र जंतर-मंतर। नाथ संप्रदाय के शिरोमणि राज भृतहरि का साधना-स्थल और पीर मच्छिंदरनाथ की समाधि।

मगर सबसे महिमावान हैं उज्जैन के महाराजधिराज भगवान भूतभावन महाकालेश्वर।

किशोरावस्था में जब आकाश में चाँद-तारे आँख-मिचौली खैला करते थे, तब अपनी-अपनी छतों पर किसी के साथ चाँद-तारों की तरह ही आँख-मिचौली खेलने की स्मृतियाँ अब भी दिल को गुदगुदा जाती हैं।

उज्जैन की रातें ही नहीं, सुबह भी स्मृतियों का साथ छोड़ने के लिए राज़ी नहीं है। हर सुबह यहाँ की गली-गली के हर छोटे-बड़े होटल - रेस्टोरेंट में बिकने वाले पोहे और जलेबी का नाश्ता। खड़े धनिये की छोंक वाले उन पोहों की महक के लिए तरस जाती है आत्मा। उसके बाद दोपहर में स्वादिष्ट कचोरी, समोसा और इमरती। गरमी के दिनों में मलाईदार लस्सी। मेवों वाली कुल्फी। और रात को रबड़ी वाला दूध। इसके अलावा मावे की बनी तरह-तरह की स्वादिष्ट मिठाइयाँ। और इन सब पर भारी लौंग, लहसुन वाले सेव और नमकीन। ज़ायके का यह आनंद एक साथ शायद ही किसी और शहर में मिले।

इसी तरह का आनंद आता था श्रावण मास में निकलने वाली महाकाल की सवारी के दौरान। भगवान महाकालेश्वर को उज्जैन का सनातन स्वामी माना जाता है, उज्जैन के राजा। कहते हैं इसी वजह से कोई दूसरा राजा कभी उज्जैन नगर की सीमा में रात्रि-निवास नहीं करता था।

यों तो उज्जैन उत्सव-प्रिय नगर है मगर इनमें सबसे भव्य-दिव्य होता है बारह वर्ष में एक बार आयोजित होने वाला कुंभ मेला-सिंहस्थ। करोगे याद तो हर बात याद आएगी। इतनी यादें, इतनी बातें हैं उज्जैन से जुड़ी हुई और उज्जैन के बारे में कि एक लेख तो क्या पूरी पुस्तक भी छोटी पड़ेगी। जब भी सोचता हूँ, मुझे लगता है उज्जैन की माटी से बना है यह तन और क्षिप्रा का पानी बहता है मेरी रगों में रक्त बनकर। मैं चाहे जितना दूर चला जाऊं उज्जैन से, मगर उज्जैन मुझसे कभी दूर नहीं होता। वह मेरी हर धड़कन, हर सांस के साथ जुड़ी हुआ है। निदा फाज़ली साहब का एक दोहा है -

मैं रोया परदेस में, भीगा मां का प्यार
दुख ने दुख से बात की, बिन चिट्ठी बिन तार।

मुझे भी हमेशा यही महसूस होता है कि इस परदेस में जब भी कभी दुखी होता हूँ मैं, रोता हूँ मैं, मेरे शहर उज्जैन की मिट्टी से दो बाहें ज़रूर मुझे अपने आगोश में लेकर मेरे आँसूँ पोंछने के लिए मचल उठती होंगी। सचमुच ऐसी ही है मेरी जन्मभूमि, मेरा अपना नगर उज्जैन।

पागलपन के पक्ष में

व्यंग्य

वीरेंद्र जैन

हे भावी आत्महत्यारो !, आत्महत्या मत करो, क्यों कि उसका परिणाम देखना सम्भव नहीं होता। ऐसा अंधा काम ठीक नहीं। इस प्रयास में वैसे तो अधिकांश बहादुर असफल हो जाते हैं, जो बाद में देख पाते हैं कि असफलता सदैव ही उपहास का पात्र बनाती है। लोग पीठ पीछे कहते है कि साले को मरना- वरना तो था नही एक कुप्पी मिट्टी की तेल और खराब कर दिया। आत्महत्या में असफल हो जाने के बाद जो फजीहत होती है उसे देखकर तो लगता है कि आत्महत्या ही कर लेना चाहिए। यह फजीहत पिछले असफल प्रयास की पृष्ठभूमि से ज्यादा ठोस कारण देती है।

वैसे न तो मैं कानून विशेषज्ञ की तरह यह बता रहा हूँ कि यह अपराध है और एक पवित्र व महान देश के महान नागरिकों को अपराध नही करना चाहिए और ना ही किसी उपदेशक की तरह इस वीर कर्म को कायरता कह कर भटकाने की कोशिश कर रहा हूँ। मेरा तो पूरी विनम्रता के साथ यह कहना है कि जब आत्महत्या के विकल्प मौजूद हैं तो उन्हें भी आजमा कर देखो। आत्महत्या तो दाल बराबर घर की वो मुर्गी है जिसे बर्ड फ्लू भी नहीं हुआ है।

आत्महत्या करने से अच्छा है पागल हो जाना। पागल आदमी का पिछला जीवन समाप्त हो जाता है और इस तरह पागल हो जाने व आत्महत्या करने में केवल एक जान चले जाने से ज्यादा का फर्क नहीं है। बेचारे यम के दूतों को इमरजेंसी काल की तरह एम्बुलेन्स जैसे-भैंसों को लेकर अचानक भागना पड़ता होगा कि यार उसने अपनी आत्मा वक्त से पहले ही बाहर निकाल कर फेंक दी अब वह पड़ी हुई है। उनके पास कोई काम नहीं है सो ऐसी हरकतें करते रहते हैं अब अचानक ऑड टाइम पर आना पड़ रहा है। दूसरे ये आत्मा चीज ही ऐसी है जैसा कि गीता में कह गए हैं कि न यह

नष्ट होती है, न आग में जलती है न पानी में डूबती है और आदमी के शरीर में से भी वैसी की वैसी निकल आती है। आत्मा न हुयी पालीथिन हो गयी। यम का दूत ऐसे ही कुड़ कुड़ाता हुआ आता होगा और आत्मा को इस तरह घसीट कर ले जाता होगा कि वह परमात्मा से मिलने लायक ही न बचती होगी।

इसलिए भैया पागल हो जाने में ऐसा कोई खतरा नहीं। आत्मा भी जहाँ की तहाँ और जीवन भी बदल गया। परसों तक आपका नाम पंडित राम भरोसे शुक्ला था पर कल से लोग आपको पागल शुक्ला कह कर उल्लिखित करेंगे। अब न खाने की चिंता न कमाने की। एक बार पागल हो गए तो इज्जत के जाने का डर हमेशा के लिए खत्म हो जाता है क्योकि यह इज्जत तो पागल होते ही ऐसे चली जाती है कि दुबारा वापिस आने और फिर चले जाने का क्रम ही समाप्त हो जाता है।

भूख से मरने वालों में हमेशा वे लोग ही पाए जाते हैं जो पागल नहीं होते। पागल हो जाने पर आदमी ठाठ से जिन्दा रहता है। आपने किसी पागल को कभी भूखों मरते नही देखा होगा।

पागल आदमी कहीं भी सो सकता है कुछ भी पहिन सकता है। वह न वेजेटिरियन होता है न नानवेजटेरियन और न एगीटेरियन। न वह स्वाद का गुलाम होता है और ना ही किसी डाइटीशियन से पूछकर कैलोरी विटामिन और मिनरल्स लेता है, फिर भी ऐसा करने वालों से अधिक चुस्त दुरूस्त रहता है।

वैसे वह फिलॉसफर भी समझा जा सकता है और कवि भी । प्रेमी भी समझा जा सकता है और विद्रोही भी। उसे न नौकरी की जरूरत होती है न दुकान की। उसे न रेल में टिकिट लेने की जरूरत होती है और न रिजर्वेशन की। उसे कोई जेल में बन्द नही कर सकता। वह सारे देवी देवता अवतार तीर्थकर पैगम्बर सबको समान रूप से गाली दे सकता है इसलिए वह सर्वधर्म समभावी है और धर्म निरपेक्ष भी है। जब वह मंदिर की मूर्ति तोड़ देता है या मस्जिद में पेशाब कर देता है तो कोई दंगा नही होता अपितु नुकसान की भरपाई करते हुए भक्त कहते है कि वह तो पागल है। पागल का काम सिगरेट के बिना भी चल जाता है और शराब के बिना भी।

लघु कथा

कानून का पालन

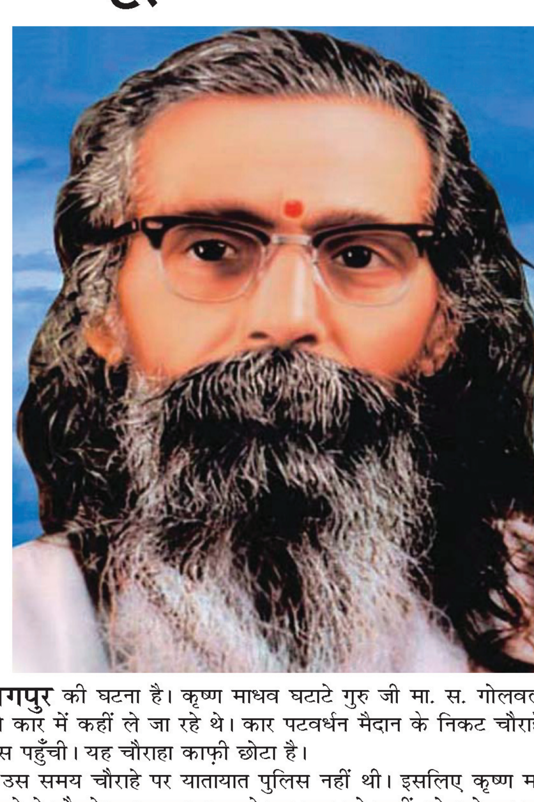

नागपुर की घटना है। कृष्ण माधव घटाटे गुरु जी मा. स. गोलवलकर को कार में कहीं ले जा रहे थे। कार पटवर्धन मैदान के निकट चौराहे के पास पहुँची। यह चौराहा काफ़ी छोटा है।

उस समय चौराहे पर यातायात पुलिस नहीं थी। इसलिए कृष्ण माधव घटाटे ने चौराहे का चक्कर न लगाते हुए कार को दायीं ओर मोड़ना चाहा। इस पर गुरु जी एकदम नाराज़ हो उठे ओर कृष्ण माधव घटाटे को पुन: चौराहे का चक्कर लगा कर ही कार दायीं ओर घुमाने को विवश किया।

उन्होंने कहा, कानून का पालन न करना भीरुता है। पुलिस की अनुपस्थिति में कानून तोड़ना कोई साहस की बात नहीं है। हमें कोई देख रहा है अथवा नहीं इसकी चिंता न करते हुए, हमें व्यक्तिगत अथवा सामाजिक क़ानूनों का पालन करना ही चाहिए, फिर इसमें हमें कितना ही कष्ट क्यों न उठाना पड़े।

कांग्रेस ने क्या पाया

कांग्रेस ने नवजोत सिंह सिद्धू को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी की पंजाब यूनिट का अध्यक्ष बना दिया है। उनकी नियुक्ति राज्य में महीनों तक चली खींचतान के बाद की गई है। पूर्व क्रिकेटर ने कई मुद्दों पर कैप्टन अमरिंदर सिंह की सरकार के खिलाफ खुलेआम बगावत कर दी थी। इस विवाद के बीच हाईकमान ने सुलह का चार सूत्रीय फॉर्मूला तैयार किया था। इसी के तहत पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उनकी नियुक्तियां की है। सिद्धू के साथ 4 कार्यकारी अध्यक्ष भी बनाए गए हैं। कुलजीत नागरा, पवन गोयल, सुखविंदर सिंह डैनी और संगत सिंह को यह जिम्मेदारी दी गई है। यह पहले से तय था कि कार्यकारी अध्यक्षों के नाम मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह तय करेंगे। अब सिद्धू को इन चारों से तालमेल बिठाना होगा। नवजोत सिंह सिद्धू को पंजाब प्रदेश कांग्रेस का प्रधान बनाने से सिद्धू टीम के चेहरे फिर से खिल गए हैं। बीते दो साल से हाशिए पर चल रहा सिद्धू गुट मजबूत होगा। 2019 में लोकल बॉडीज मंत्रालय छोडने के बाद सिद्धू ने अपने विधानसभा हलके में भी सक्रिय रहना छोड़ दिया था। तभी से सिद्धू टीम मायूस थी। वहीं अब पार्टी में इस बदलाव की वजह से %कैप्टन धड़े' के लीडरों को अपना वजूद बचाने की चिंता सताने लगी है। सिद्धू के हाथ प्रदेश कांग्रेस की कमान आने के बाद अब अमृतसर जिला में कांग्रेसी लीडरशिप पर उनका प्रभाव बढ़ेगा। सिद्धू और कैप्टन के बीच तकरार सरकार बनने के साथ ही शुरू हो गई थी। सिद्धू ने हाई कमान की सिफारिश के साथ डिप्टी सीएम बनने का दावा पेश किया, लेकिन कैप्टन अमरिंदर नहीं माने। कैबिनेट मंत्री बने, लेकिन बाद में वहां से भी इस्तीफा दे दिया और कैप्टन अमरिंदर के विरोध का मोर्चा संभाल लिया। नवजोत सिंह सिद्धू अपने ही मुख्यमंत्री पर सवाल उठाते हैं, कांग्रेस सरकार के कामों पर सवाल उठाते हैं, उसके बावजूद गांधी परिवार के भरोसेमंद बने रहते हैं। दोनों के झगड़े के दौरान जब कैप्टन अमरिंदर सिंह दिल्ली आए तो गांधी परिवार से मिलने का वक्त नहीं दिया गया, लेकिन सिद्धू की मुलाकातों वाली तस्वीरें खूब दिखाई गईं। सिद्धू और कैप्टन अमरिंदर का चार साल से चल रहा झगड़ा कैसे सुलझाया जाए, इस पर हाईकमान में कई दिनों से माथा पच्ची चल रही थी। दोनों तरफ से संकेत मिल रहे थे कि अगर फैसला उनके खिलाफ गया तो बगावत कर देंगे। इसीलिए कांग्रेस हाईकमान अंतिम ऐलान को कुछ और वक्त देना चाहता था। अब जबकि सिद्धू को पंजाब का अध्यक्ष बनाया गया है तो ये उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। अध्यक्ष बनाने का मतलब यह है कि कांग्रेस उनकी अगुवाई में अगले साल विधानसभा का चुनाव लड़ेगी। टिकट बंटवारे में उनका बड़ा रोल होगा और अगर कांग्रेस जीतती है तो फिर सिद्धू मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए दावेदारी करने की मजबूत स्थिति में होंगे। इसकी तैयारी के संकेत भी मिलने लगे हैं। नवजोत सिंह सिद्धू को प्रदेश अध्यक्ष बनाने का दिलासा तब से ही दिया जा रहा था जब 2019 में उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दिया था, लेकिन सीएम अमरिंदर इस तरह की चर्चाओं में वीटो करते आए। अमरिंदर की दलील ये रही कि सिद्धू अभी पार्टी में नए हैं। 2017 में ही शामिल हुए, इसलिए किसी सीनियर नेता को पार्टी की कमान देनी चाहिए, दूसरी दलील यह कि मुख्यमंत्री सिख हैं तो पार्टी अध्यक्ष गैर-सिख होना चाहिए। कुल मिलाकर पंजाब में कांग्रेस का झगड़ा अभी खत्म नहीं हुआ है, बल्कि और तेज हो गया है। अगले साल जिन राज्यों में चुनाव हैं वहां पंजाब ही ऐसा राज्य दिखता है जहां कांग्रेस की राह बहुत आसान लगती है। कोई मजबूत विपक्ष नहीं है लेकिन विपक्ष कांग्रेस के भीतर ही तैयार हो गया है।

वृद्ध माता-पिता परिवार में बोझ बन गये

विजय कुमार जैन

जिन माता-पिता ने हमे जन्म दिया, पालन-पोषण किया, अच्छी शिक्षा दिलाकर उन्नत जीवन दिलाया अच्छे संस्कार दिये, मगर हम सब कुछ भूलकर बुढ़ापे में उन माता-पिता को बेसहारा छोड़ देते हैं।इसी का परिणाम है विदेशों की परंपरा का अनुशरण का भारत में भी तीव्र गति से वृद्ध आश्रमों का निर्माण हो रहा है। वर्तमान पीढ़ी अपने माता द्वारा दिये संस्कारों को भूलती जा रही है। माँ अपने पेट में नौ माह रखकर अनेक कष्टों व परेशानियों को झेलते हुए बेटे को जन्म देती है, बरसात में मकान में टपकते पानी में गीले में न रखकर बेटे को रात भर गोद में सुलाती है, पिता स्वयं परेशानी उठा लेता है अभाव के बावजूद उधार लेकर बेटे का पालन-पोषण करता है तथा उसकी अच्छी शिक्षा हेतु संसाधन जुटाता है। जिस दिन बेटे को नौकरी मिलती है अथवा कारोबार का शुभारंभ होता है उस दिन माता-पिता की खुशी का ठिकाना नहीं रहता है। बेटे की नौकरी लगने या विवाह होने पर माता-पिता की उपेक्षा एवं तिरस्कार का दौर प्रारंभ हो जाता है। अपने माता-पिता जिन्होंने जीवन का हर उतार चढ़ाव देखा है, हर तरह का अनुभव एवं पर्याप्त ज्ञान है, मगर बेटा बहू को उनकी हर गतिविधि असहनीय हो जाती है। पूज्य व आदरणीय परिवार के मुखिया को ताने के साथ कह दिया जाता है कि आपकी सलाह व मदद की हमें आवश्यकता नहीं है। अब जमाना बदल गया है आधुनिक जमाना है, हमें अपने हिसाब से जीवन यापन करने दीजिए, बात-बात में हस्तक्षेप करके हमारे कार्यों में बाधा न डालें तो हम पर आपकी कृपा होगी।

श्रवण कुमार द्वारा अपने अंधे माता-पिता को कावड़ में बैठाकर संपूर्ण भारत के तीर्थों के दर्शन कराये। भगवान श्री राम ने अपने पिता राजा दशरथ के आदेश को शिरोधार्य कर राजपाट छोड़ चौदह वर्ष वनवास का कष्ट मय जीवन व्यतीत किया। उक्त उदाहरण अब युवा पीढ़ी द्वारा बकवास कहे जाने लगे हैं। यहाँ मैं आपको दो उदाहरण दे रहा हूँ एक ही नगर में एक शिक्षक एवं एक पोस्ट मास्टर स्थानांतरित होकर आये। दोनों ने एक बड़े मकान में आवास किराये पर लिये। दोनों के बीच परिचय हुआ, पोस्टमास्टर ने अपने परिवार का परिचय देते हुए बताया हम माता-पिता के साथ रहते हैं, पत्नी और दो बच्चे हैं। शिक्षक ने अपने परिवार का परिचय देते हुए कहा मेरे परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं, वृद्ध और बीमार माँ भी हमारे साथ रहती है। इन दोनों परिवारों में हमने भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को देखने का प्रयास किया, पोस्टमास्टर ने अपने माता-पिता का सम्मान करते हुए कहा कि हम उनके साथ रहते हैं, जबकि शिक्षक के कथन से लगता है कि माँ उनके परिवार पर भार है।

पहले संयुक्त परिवार होते थे परिवार का मुखिया परिवार का सबसे बुजुर्ग सदस्य होता था। मुखिया का पूरा अनुशासन परिवार पर रहता था। बुजुर्गों के साये में परिवार की प्रतिष्ठा और साख रहती थी। अब सब कुछ बदल गया है। अब हम जब अपने बेटे का विवाह करने बात चलाते हैं तो लड़की के पिता की पहली शर्त होती है मेरी बेटी संयुक्त परिवार में नहीं रहेगी। संयुक्त परिवार की परंपरा समाप्त कराने में पाश्चात्य संस्कृति का पूरा योगदान है। एकल परिवार की जब से परंपरा प्रारंभ हुई है तभी से वृद्ध एवं बीमार माता-पिता अभावों के बीच दुखी जीवन जीने मजबूर हो गये हैं। परिवार में आलीशान बंगला बनाया जाता है। उसमें एक कमरा कुत्ते के लिये बनाया जाता है। उसी कमरे के समीप माता-पिता के रहने कमरा बनाया जाता है। माँ, बाप के दुख-दर्द के रखबाले बेटे बहू न होकर घर का चौकीदार कुत्ता होता है। अनेक सम्पन्न परिवारों में माता-पिता की सेवा करने नौकर लगा दिये हैं। माता-पिता की सेवा करने नौकर लगाने की परंपरा की कटु आलोचना करते हुए सुप्रसिद्ध श्वेताम्वर जैन मुनि चन्द्रप्रभ जी महाराज साहब ने विगत दिनों मंगल प्रवचन करते हुए कहा कि आप इतने व्यस्त हो कि माता-पिता की सेवा करने नौकर लगा रहे हो तो फिर अपनी पत्नी से प्रेम करने के लिये भी नौकर लगा दो। संयुक्त राष्ट्र संघ की एक सर्वेक्षण रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि भारत में बुजुर्ग वहुत उपेक्षित हैं वृद्धजन अपना दुख दर्द सार्वजनिक नहीं करते, मुंह खोलने पर परेशानी बढ़ने की आशंका के चलते वे चुप रहना ज्यादा पसंद करते हैं। माता-पिता के संरक्षण के लिये कानून भी बने है। एक कानून माता-पिता व वरिष्ठ नागरिक कल्याण अधिनियम 2007 है इसमें बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल के प्रावधान हैं। इसके बाद भारतीय समाज का कड़वा सच यही है कि जो संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में उजागर किया है। कुछ परिवार भले ही अपने बुजुर्गों का सम्मान करते हों लेकिन सभी परिवारों में वृद्धों का सम्मान नहीं हो रहा है। वृद्ध बीमार माता-पिता का परिवार का अनादर होने, उपेक्षा होने तथा दुर्दशा होने की स्थिति में वृद्ध आश्रम बन गये हैं। जहाँ उन्हें सभी सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। विगत वर्षों रायपुर नगर में वृद्धों के लिये एक और प्रयास किया गया है वहाँ पेरेंट्स क्रेच, वृद्ध झूलाघर प्रारंभ किया गया है। जहाँ पर उन्हें सुबह से शाम तक रखा जाता है। नास्ता भोजन के साथ मनोरंजन के साथ विभिन्न उपयोगी कार्य प्रारंभ किये गये हैं। परम पूज्य दिगम्बर जैनाचार्य संत शिरोमणी विद्या सागर जी महाराज की परम प्रभावक शिष्या आर्यिका रत्न पूर्ण मती माता जी ने माता पिता की उपेक्षा को दूर कर उनका सम्मान नई पीढ़ी करे इस भावना को लेकर एक अभियान चलाया है। इसका नाम दिया है जनक जननी सम्मान समारोह। आर्यिका संघ जहाँ जाता है वहाँ यह सम्मान समारोह समाज द्वारा गरिमामय तरीक़े से आयोजित किया जाता है। मेरी ससुराल शाढ़ौरा जिला अशोक नगर मई 2017 में जनक जननी सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। साथी अनिल बाँझल ने बताया आर्यिका संघ के पावन सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम की स्मृतियां आज भी प्रेरणादायक हैं।

ऐसा कहा गया है कि वह सौभाग्यशाली होता है जिसके सिर पर माता-पिता का साया होता है। जिनके माता-पिता नहीं है उन्हें उनकी याद जीवनभर आती है, यही भारतीय संस्कृति और संस्कार है। क्रांतिकारी राष्ट्र संत पूज्य आचार्य पुलक सागर महाराज ने विगत वर्षों सरधना मेरठ में हजारों स्कूली विद्यार्थियों के बीच प्रवचन करते हुए कहा कि माता-पिता भोजन के भूखे नहीं होते है, वे तो मात्र प्रेम के भूखे होते हैं। आपने विद्यार्थियों को संकल्प दिलाया कि जीवन में कभी भी अपने माता-पिता की आँखों में आंसू नहीं आने देंगे। पाश्चात्य संस्कृति का ही प्रभाव है कि हम अपने जन्मदाता माता-पिता का उनके जीवन के अंतिम समय में ध्यान न रखकर उनका तिरस्कार कर रहे हैं। इस समस्या को लेकर विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता है। यह भी कटु सत्य है अगर हमारे जन्मदाता दुखी रहेंगे तो हम भी सुखी नहीं रह सकते हैं।

सांसद का दोहरा दायित्वःसुबह से रात तक कोरोना ग्रस्त शहर की चिंता

कीर्ति राणा

कैंसर से जूझ रही पत्नी से बात करते थे पर्ची पर लिख कर ऊनींदी आंखें, बिखरे बाल, उदास चेहरा और सूख चुके आंसुओं की कहानी कहती आंखें, 7 जुलाई के बाद से आज भी सांसद शंकर लालवानी की हालत ऐसी ही है। उनके लिए अपना दुख सबसे बड़ा है लेकिन इंदौर के लाखों लोग उन्हें जब अपने दुख-सुख का साथी मानते हों तो सुबह निवास पर और दोपहर 12 बजे तक ऑफिस में लोगों की परेशानी सुनना, कलेक्टर-एसपी आदि को उनके लिए फोन लगाना, किसी के बीमार बच्चे को बेहतर उपचार के लिए डॉक्टर से कहना, किसी की स्कूली फीस का मसला निपटाना उनकी रोजमर्रा की लाइफ हो गई है।अपनी फरियाद सुनाने, हाथों में आवेदन लेकर आने वालों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि पांच दिन पहले उनकी पत्नी अमिता का निधन हो चुका है।हां सांसद के नजदीक जाते हुए इन फरियादियों की बॉडी लैंग्वेज में सकुचाने, धीमे बोलने जैसा क्षणिक बदलाव जरूर आ जाता है। कौन यकीन करेगा कि कोरोना के कहर वाले इन दो सालों में सांसद लालवानी एक साथ दो मोर्चों पर जूझ रहे थे-शहर को कोरोना से राहत दिलाने के इंतजाम करवाना और रात सीएचएल अस्पताल के आईसीयू रूम में दाखिल पत्नी की देखरेख में सोते-जागते रात गुजारना।पंद्रह साल पहले कैंसर की शिकार हुई अमिता की बीते साल मार्च से हालत इतनी बिगड़ गई थी कि बोल पाना संभव ही नहीं था लिहाजा दोनों इशारों में ही बात कर लेते या सांसद लिख कर बता देते कल मीटिंग में भोपाल जाना है, शाम तक आ जाऊंगा।

प्रधानमंत्री मोदी से लेकर अमित शाह, ओम बिड़ला सहित अन्य मंत्री, सांसद तो फोन पर शोक व्यक्त कर ही चुके हैं।मनीषपुरी स्थित निवास और सरकारी बंगले पर संवेदना व्यक्त करने वाले स्थानीय-बाहरी लोगों, जनप्रतिनिधियों का तांता लगा रहता है।हर कोई जानना चाहता है कि ये अचानक कैसे हो गया, और जब पति शंकर लालवानी बताना शुरू करते हैं तो रह रह कर अपने आंसू पोंछना भी उनकी मजबूरी हो जाती है। सुनाते-सुनाते वो कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर राकेश तरण, क्रिटिकल केस एक्सपर्ट डॉ संकेत धानुका, डॉ रवि जोशी सहित इनकी टीम का बार बार धन्यवाद करने के साथ ही लोगों को बताते हुए फिर भावुक हो जाते हैं 36 साल का साथ रहा (1985 में हुई थी शादी), हमने तो घर में भी स्थायी रूप से आईसीयू वार्ड तैयार कर रखा था, वो बेड पर रहती तो भी मुझे हिम्मत रहती, मेरी मीत तो अपने मीत को अकेला छोड़ गई..!

पहले ब्रेस्ट कैंसर हुआ (1985 में), ग्रेटर कैलाश में डॉ दिग्पाल धारकर ने ऑपरेट किया, पांच साल दवाई लेती रही, लगा कि अब सब ठीक हो गया है।दस साल बाद लंग्ज और पसली के बीच दर्द बढ़ने लगा, सीएचएल में तमाम परीक्षण हुए, रिपोर्ट आई कि इन दोनों जगह कैंसर पनप चुका है।कीमो थैरेपी और दवाई भी चलती रही। इस बीच महिला मोर्चे से लेकर मेरी राजनीतिक गतिविधियों में भी भागीदारी करती रहीं।पिछले साल सितंबर में जांच में पता चला अब ब्रेन में कैंसर के लक्षण हैं।डॉक्टरों ने बॉबे में टाटा मेमोरियल या कोकिलाबेन में दिखाने की सलाह दी, फ्लाइट बंद थीं, कार से ले गए।टाटा हॉस्पिटल में जांच में पता चला ब्रेन के साथ लंग्ज पर भी असर है।परामर्श यह भी था कि ब्रेन की सर्जरी करा लें लेकिन जान भी जा सकती है इससे भी आगाह कर दिया डॉक्टरों ने।6 डॉक्टर रेडिएशन/कीमो तो 4 सर्जरी के पक्ष में थे, अंततः अक्टूबर से दिसंबर तक कीमो ही करना पड़ी।अब नई प्राब्लम किडनी में यूरीन जमा होने से पस पड़ गया,ऑपरेशन कर पस निकाला किंतु बाद में पूरे शरीर में फैल गया। अब डॉक्टरों की टीम के सामने चुनौती यह थी कि लगातार कीमो से शरीर बेहद कमजोर हो चुका था, विदेशों के डॉक्टर्स से सलाह और महंगी दवाइयां भी बेअसर होने लगी थी।अंततः जनवरी से मार्च तक कीमो आदि रोक कर डॉक्टरों ने शरीर को अंदरुनी रूप से कीमो आदि सहन करने लायक बनाने के प्रयास शुरु किए।मार्च से कीमो शुरु हुई।

क्रांतिवीर मर्दन सिंह बुंदेला

मजीद खां पठान

हम बिरसा मुंडा को याद करते हैं, हम रानी लक्ष्मीबाई को याद करते हैं, हम तात्या टोपे को याद करते हैं, हम भगत सिंह, चंद्रशेखर, अशफाक उल्ला को याद करते हैं।

यह तो बानगी है समय-समय पर हम सब इन जैसे एक नहीं अनगिनत वीर शहीदों को याद करते हैं, उनके प्रति श्रद्धा पूर्वक सिर झुका कर नमन करते हैं, श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। हम लिखते, पढ़ते और बोलते हैं कि-

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले।

वतन पर मिटने वालों का बस यही बाकी निशा होगा।

हम ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि उक्त समस्त नाम-अनाम वीर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी देशभक्तों ने स्वतंत्रता संग्राम के यज्ञ में अपने प्राणों की आहुति देते हुए देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराया है।

हमें ऐसा ही करना चाहिए और पूरी शिद्दत के साथ करना चाहिए क्योंकि यह हमारा राष्ट्र धर्म है। हमें इसलिए और जोर-शोर से करना चाहिए ताकि आगे आने वाली पीढ़ी को यह जानकारी मात्र सफेद कागज पर ही पढ़ने को नहीं मिले बल्कि धरातल पर भी वह यह समझ सके कि देश के प्रति कुर्बान होने वालों का क्या व्यक्तित्व और कृतित्व रहा है उन्होंने किन हालातों में कैसे किस प्रकार देश को आजादी दिलाने में अपना सर्वस्व न्यौछावर करते हुए खुशी खुशी फांसी के फंदे को चूमा है। भारत ही नहीं अपितु विश्व के इतिहास में चंदेरी को एक अलग अनूठा एवं महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। अतीत के दिल को दहला देने वाली, रोंगटे खड़े कर देने वाली एक नहीं अनेक घटनाओं को अपने दामन में समेटे यह नगर उन सम्माननीय नगरों की सूची में शामिल है जो कभी चित्तौड़, रणथंबोर, बूंदी और झांसी जैसे विरले स्थानों को प्राप्त है। जब जब देश में 1857 ईस्वी के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के यज्ञ में आहुति देने वाले देशभक्त मंगल पांडे, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे, नाना साहब वगैरह, आगे आने वाले समय में राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, तिलक, सुभाष चंद्र बोस, पटेल, गांधी आदि के साथ-साथ हजारों-हजार लोगों के देश के प्रति किए गए बलिदान को याद किया जावेगा।

तब-तब चंदेरी की पवित्र माटी में जन्मे चंदेरी राज्य में बुंदेला वंश की अंतिम निशानी प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानी झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के अति विश्वसनीय सहयोगी उनके दाहिने हाथ युवराज मर्दन सिंह बुंदेला याद आते रहेंगे।

1857 ईस्वी के गदर में रानी लक्ष्मीबाई का साथ देकर स्वतंत्रता संग्राम में नायक का गौरव हासिल करने वाले मातृभूमि प्रेमी मर्दन सिंह बुंदेला ने अंग्रेजी हुकूमत को जड़ से उखाड़ फेंकने की योजना बड़ी ही सूझबूझ के साथ झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व में तैयार की थी।

यह वही वीर मर्दन सिंह बुंदेला है जिन्होंने अंग्रेजों द्वारा देशी राजाओं के विरुद्ध अपनाई जा रही तत्कालीन नीति का जबरदस्त विरोध करने के कारण अंग्रेजों की खिलाफत करने वालों की सूची में प्रमुखता से उनका नाम दर्ज हुआ था।

प्राणवान प्रतिभाओं की खोज

प्रगति पथ पर अग्रसर होने के लिए तदनुरूप योग्यता एवं कर्मनिष्ठा उत्पन्न करनी पड़ती है। साधन जुटाने पड़ते हैं। कठिनाइयों से जूझने, अड़चनों को निरस्त करने और मार्ग रोककर बैठे हुए अवरोधों को हटाने के लिए साहस, शौर्य और सूझबूझ का परिचय देना पड़ता है। जो कठिनाइयों से जूझ सकता है और प्रगति की दिशा में बढ़ चलने के साधन जुटा सकता है, उसी को प्रतिभावान कहते हैं। सामुदायिक सार्वजनिक क्षेत्र में सुव्यवस्था बनाने के लिए और भी अधिक प्रखरता चाहिए। यह विशाल क्षेत्र, आवश्यकताओं और गुत्थियों की दृष्टि से तो और भी बढ़ा-चढ़ा होता है। हीन वर्ग अपने साधनों के लिए, मार्गदर्शन के लिए दूसरों पर निर्भर रहता है। यह परजीवी वर्ग ही मनुष्यों में बहुलता के साथ पाया जाता है। अनुकरण और आश्रय ही उसका स्वभाव होता है। ऐसे लोग निजी निर्धारण कदाचित ही कभी कर पाते हैं। दूसरा वर्ग-समझदार होते हुए भी संकीर्ण स्वार्थपरता से घिरा रहता है। योग्यता और तत्परता जैसी विशेषताएं होते हुए भी ऐसे लोग अपने को लोभ, अहंकार की पूर्ति के लिए ही नियोजित किए रहते हैं। वे कृपणता और कायरता के दबाव में वे पुण्य-परमार्थ की बात सोच ही नहीं पाते। अवसर मिलने पर अनुचित कर बैठते हैं और महत्व न मिलने पर अनर्थ कर बैठते हैं। वे जैसे-तैसे जी लेते हैं, पर श्रेय सम्मान जैसी किसी मानवोचित्त उपलब्धि के साथ उनका संबंध नहीं जुड़ता। उन्हें जनसंख्या का घटक भर माना जाता है। तीसरा वर्ग प्रतिभाशालियों का है। ये भौतिक क्षेत्र में कार्यरत रहते हुए अनेक व्यवस्थाएं बनाते हैं। ये अनुशासन और अनुबंधों से बंधे रहते हैं। अपनी नाव अपने बलबूते खेते हैं और उसमें बिठाकर अन्यों को भी पार करते हैं। कारखानों के व्यवस्थापक और शासनाध्यक्ष प्रायः इन्हीं विशेषताओं से सम्पन्न होते हैं। बोलचाल की भाषा में उन्हें ही प्रतिभावान कहते हैं।सबसे ऊंची श्रेणी देवमानवों की है, जिन्हें महापुरुष भी कहते हैं। प्रतिभा तो उनमें भरपूर होती हैं, पर वे उसका उपयोग आत्म परिष्कार से लेकर लोकमंगल तक उच्च स्तरीय प्रयोजनों में लगाते हैं। निजी आवश्यकताओं और महत्वाकांक्षाओं के बजाय अपने शक्ति भंडार को परमार्थ में लगाते हैं। किसी देश की सच्ची संपदा वे ही समझे जाते हैं। वे अपने कार्य क्षेत्र को नंदनवन जैसा सुवासित करते हैं। जहां भी बादलों की तरह बरसते हैं, वहीं मखमली हरीतिमा का फर्श बिछा देते हैं और वसंत की तरह अवतरित होते हैं।

पौष्टिकता से भरपूर सहजन

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

कभी कभी हम किसी वस्तु को उपेक्षित करते या मानते हैं पर वह लाभकारी के साथ गुणकारी भी होती हैं .आजकल इसका बहुत महत्व और उपयोग किया जा रहा हिन् .यह पोषक तत्वों का खजाना हैं .इसका उपयोग बहुत कारगर हैं

सहजन ; वानस्पतिक नाम = ÷मोरिंगा ओलिफेरा÷ एक बहु उपयोगी पेड़ है। इसे हिन्दी में सहजना, सुजना, सेंजन और मुनगा आदि नामों से भी जाना जाता है। इस पेड़ के विभिन्न भाग अनेकानेक पोषक तत्वों से भरपूर पाये गये हैं इसलिये इसके विभिन्न भागों का विविध प्रकार से उपयोग किया जाता है।

सहजन की कच्ची पत्तियों

इसकी पत्तियों और फली की सब्जी बनती है। इसका उपयोग जल को स्वच्छ करने के लिये तथा हाथ की सफाई के लिये भी उपयोग किया जा सकता है। इसका कभी-कभी जड़ी-बूटियों में भी उपयोग होता है।

पौधे का वर्णन

इसका पौधा लगभग 10 मीटर उँचाई वाला होता है किन्तु लोग इसे डेढ़-दो मीटर की ऊँचाई से प्रतिवर्ष काट देते हैं ताकि इसके फल-फूल-पत्तियों तक हाथ सरलता से पहुँच सके। इसके कच्ची-हरी फलियाँ सर्वाधिक उपयोग में लायी जातीं हैं। सहजन के लगभग सभी अंग (पत्ती, फूल, फल, बीज, डाली, छाल, जड़ें, बीज से प्राप्त तेल आदि) खाये जाते हैं। एशिया और अफ्रीका में कच्ची फलियाँ (ड्रम स्टिक) खायी जाती हैं। कम्बोडिया, फिलीपाइन्स, दक्षिणी भारत, श्री लंका और अफ्रीका में पत्तियाँ खायी जाती हैं।

विश्व के कुछ भागों में नयी फलियाँ खाने की परम्परा है[] जबकि दूसरे भागों में पत्तियाँ अधिक पसन्द की जातीं हैं। इसके फूलों को पकाकर खाया जायता है और इनका स्वाद खुम्भी (मशरूम) जैसा बताया जाता है। अनेक देशों में इसकी छाल, रस, पत्तियों, बीजों, तेल, और फूलों से पारम्परिक दवाएँ बनायी जाती है। जमैका में इसके रस से नीली डाई (रंजक) के रूप में उपयोग किया जाता है। दक्षिण भारतीय व्यंजनों में इसका प्रयोग बहुत किया जाता है। मोरिंगा ,स्रह्वद्वह्यह्वद्धष्म या सहजन आदि नामों से जाना जाने वाला सहजन औषधीय गुणों से भरपूर है। इस में 300 से अधिक रोगों के रोकथाम के गुण हैं। इसमें 90 तरह के मल्टीविटामिन्स, 45 तरह के एंटी आक्सीडेंट गुण, 35 तरह के दर्द निवारक गुण और 17 तरह के एमिनो एसिड मिलते हैं।

फायदे

साइटिका और गठिया के रोगियों के लिए सहजन काफी फायदेमंद होता है। इसका सेवन करने के लिए सहजन की छाल का पाउडर बना लें। एक चम्मच सहजन के पाउडर में एक चम्मच शहद) मिलाकर इसका सेवन करें। नियमित रूप से इसका सेवन करने से वात और कफ की समस्या ठीक होती है। इसके साथ ही आप सहजन की पत्तियों का काढ़ा बनाकर पी सकते हैं। इसका काढ़ा पीने से आपको साइटिका और गठिया की समस्या से छुटकारा मिलेगा। किसी प्रकार का मोच लगने पर भी आप सहजन की पत?तियों का इस?तेमाल कर सकते हैं। मोच में इसका इस्तेमाल करने के लिए सहजन की पत्तियों से लुगदी तैयार करें। इसमें सरसों का तेल डालकर इसे धीमी आंच पर पकाएं। इस पेस्ट को मोच वाले जगह पर लगाएं। इससे मोच की समस्या से राहत मिलेगा। सहजन में राइबोफ्लेविन की प्रचुर मात्रा होती है। राइबोफ्लेविन, ब?लड शुगर को कंट्रोल करने में हमारी मदद करता है। सहजन का सेवन किसी भी रूप में करने से ब्लड शुगर को कंट्रोल किया जा सकता है। डायबिटीज के मरीजों के लिए यह किसी औषधि से कम नहीं है। डॉक्टर्स की सलाह लेने पर आप सहजन की पत्तियों की गोलियां बनाकर खा सकते हैं। इम्यूनिटी पावर को बूस्ट करने में सहजन अमृत के समान है। इसके सेवन से आप बार-बार बीमार नहीं पड़ेंगे। लेकिन ध्यान रहे कि अगर आप सहजन का अधिक सेवन करेंगे, तो यह भी आपको नुकसान पहुंचा सकता है।

इसमें प्रचूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है। इसलिए यह पेट के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। सहजन के फलों की सब्जियों का सेवन करने से आंत से संबंधित परेशानियां नहीं होती है। सहजन का सेवन करने से कब्ज गैस और बवासीर की समस्या से आपको तुरंत राहत मिलेगी।

सहजन के नुकसान

गर्भवती महिलओं के लिए सहजन का सेवन करना नुकसानदायी हो सकता है। डॉक्टर्स की सलाह लेने पर ही गर्भवती को सहजन का सेवन कराएं।

लो ब?लड प्रेशर के रोगियों को भी सहजन का सेवन करने से बचना चाहिए।

डायबिटीज रोगियों के लिए सहजन काफी फायदेमंद होता है, लेकिन इसका अधिक सेवन करने से यह आपको शुगर लेवल बढ़ा सकती है। ऐसी स्थिति में ध्यान रखें कि सहजन का सेवन लिमिट से ज्यादा ना करें। या फिर सहजन का सेवन करने से पहले एक बार डॉक्टर की सलाह लें।

अनन्या पांडे ने फैन्स को दिखाया मालदीव का अनदेखा वीडियो, इनफिनिटी पूल में नहाते हुए दिखीं कमाल

अनन्या पांडे बीते दिनों मालदीव गई थीं। उनके साथ ईशान खट्टर भी थे। अनन्या इस ट्रिप की कई तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट कर चुकी हैं। अब उन्होंने एक वीडियो और पोस्ट किया है। इसमें वह किसी लेविश रिजॉर्ट के इनसाइड स्वीमिंग पूल में नहाती नजर आ रही हैं। उनके इस वीडियो को 15 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं।इनफिनिटी पूल में नहाती दिखीं अनन्या नए साल का जश्न मनाने इस साल कई सिलेब्स मालदीव पहुंचे थे। इनमें से अनन्या पांडे भी एक थीं। ट्रिप के बाद वह कई बार वहां की तस्वीरें पोस्ट कर चुकी हैं। अब एक वीडियो शेयर करके उन्होंने लिखा है कि ये मालदीव का आखिरी पोस्ट है। इस क्लिप में अनन्या पूल में नहाती दिख रही हैं और उनके सामने समुद्र का खूबसूरत व्यू है।इन फिल्मों में नजर आएंगी अनन्या अनन्या के वर्क फ्रंट पर बात करें तो उनकी आखिरी फिल्म खाली पीली थी। इस फिल्म के डायरेक्टर मकबूल खान थे। इसके बाद अनन्या विजयदेवरकोंडा के साथ लाइगर में नजर आएंगी। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु में शूट की जा रही है। वह शकुन बत्रा की फिल्म में भी नजर आएंगी। इसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी भी होंगे।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बताया- बॉलिवुड में किसे कहा जाता है हीरो

बॉलिवुड ऐक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी किसी एक किरदार में टाइपकास्ट होने से बचने की कोशिश करते रहते हैं। उनका मानना है कि बॉलिवुड में मुख्यधारा की फिल्मों में काम करने वाले हीरो एक ही जैसा किरदार करते-करते खुद को सीमित कर लेते हैं यानि कि टाइपकास्ट कर लेते हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बताया, 'मुझे लगता है कि मैं एक ऐसा ऐक्टर हूं, जो अलग-अलग तरह के किरदारों को निभाता रहता हूं। बॉलिवुड में हीरो वही है, जो खुद को टाइपकास्ट कर लेता है, जो अपने 30 से 36 साल के करियर में एक ही जैसे किरदारों को निभाता आया है।ज उन्होंने आगे बताया, च्ईश्वर का

शुक्र है कि मुझे तमाम किरदारों को निभाने का मौका मिला है। अगर मैंने 'मंटो' किया है, तो 'ठाकरे' में भी काम किया है। अगर 'रात अकेली है' में एक पुलिस वाले का किरदार निभाया हूं, तो 'सीरियस मैन' जैसी किसी फिल्म में भी काम किया हूं।' वर्कफ्रंट की बात करें तो नवाजुद्दीन सिद्दीकी आने वाले समय में 'नो लैंड्स मैन', रोमांटिक-कॉमिडी फिल्म 'जोगीरा सारा रा रा' और 'बोले चूड़ियां' जैसी फिल्मों में नजर आने वाले हैं, जिनमें भिन्न किरदारों को निभाने का उनका सिलसिला जारी है।

तांडव और मिर्जापुर विवाद के बाद टल गई द फैमिली मैन 2 की रिलीज

पिछले कुछ दिनों से ऐमजॉन प्राइम वीडियो की 2 वेब सीरीज तांडव और मिर्जापुर पर काफी विवाद हुआ है। इन दोनों सीरीज के खिलाफ कई शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। इन विवादों को देखते हुए ऐमजॉन प्राइम वीडियो ने अपनी आने वाली वेब

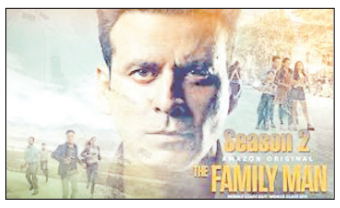

सीरीज च्द फैमिली मैन 2ज की रिलीज को अनिश्चित समय तक के लिए टाल दिया है। इस पॉप्युलर वेब सीरीज के सेकंड पार्ट का लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था।ऐमजॉन प्राइम की पिछली दो सीरीज पर लोगों की भावनाएं आहत करने के आरोप लगे हैं जिसके बाद कंपनी को लगता है कि यह च्द फैमिली मैन 2ज को रिलीज किए जाने का सही समय नहीं है। इस सीरीज का रिलीज नहीं होना इसके लीड ऐक्टर मनोज बाजपेयी और डायरेक्टर राज-डीके के लिए भी बड़ा झटका माना जा रहा है।

आयुष्मान खुराना के साथ डॉक्टर जी बनेंगी रकुलप्रीत सिंह

पिछले साल दिसंबर में जंगली पिक्चर्स ने आयुष्मान खुराना के साथ अपनी दूसरी फिल्म डॉक्टर जी की घोषणा की थी। इस फिल्म का डायरेक्शन अनुभूति कश्यप करने जा रही हैं। अब खबर है कि इस फिल्म में आयुष्मान खुराना के ऑपोजिट लीड रोल के लिए रकुलप्रीत सिंह को सिलेक्ट किया गया है। इस फिल्म में पहली बार रकुलप्रीत आयुष्मान खुराना के साथ दिखाई देंगी।खबर है कि रकुलप्रीत फिल्म में मेडिकल स्टूडेंट डॉक्टर फातिमा का जबकि आयुष्मान खुराना उनके सीनियर डॉक्टर उदय गुप्ता का किरदार निभाने जा रहे हैं। इस किरदार के बारे में बात करते हुए रकुलप्रीत ने कहा, च्मैं डॉक्टर जी में अपने किरदार को लेकर बेहद उत्साहित हूं। आयुष्मान खुराना के साथ काम करने के अलावा, मेरे लिए इस फिल्म बहुत सी बातें पहली बार होने वाली हैं। हमें साथ लाने के लिए, मैं जंगली पिक्चर्स और डायरेक्टर अनुभूति कश्यप की शुक्रगुजार हूं। जब पहली बार मैंने फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी तभी मुझे यह पसंद आ गई। यह बेहद दिलचस्प कहानी है जो मेडिकल प्रफेशन और कॉलेज लाइफ के इर्द-गिर्द घूमती है। यह लोगों को एक नया नजरिया देगी और मैं फिल्म की शूटिंग शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।जफिल्म की डायरेक्टर अनुभूति कश्यप ने कहा, च्दो बेहद अच्छे कलाकारों का साथ में काम करना हमेशा अच्छा लगता है। हम फिल्म के लिए दिलचस्प स्टारकास्ट चाहते थे और मुझे खुशी है कि हमने इसमें आयुष्मान और रकुलप्रीत को कास्ट किया है। उनकी जोड़ी पर्दे पर फ्रेश है ठीक वैसे ही जैसे कि फिल्म में हमारे किरदार हैं।

कृष्णा श्रॉफ ने दिशा पाटनी को किया किस, वायरल हुई तस्वीर

टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ फिल्म दुनिया से भले ही दूर रहती हैं लेकिन सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने से जुड़े अपडेट्स शेयर करती रहती हैं। उनकी अपने भाई टाइगर श्रॉफ की कथित गर्लफ्रेंड दिशा पाटनी के साथ अच्छी बॉन्डिंग है। कृष्णा श्रॉफ ने दिशा पाटनी के साथ एक प्यारी तस्वीर शेयर की है।कृष्णा श्रॉफ ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है। इसमें वह दिशा पाटनी के गाल को किस करती नजर आ रही हैं। दिशा पाटनी ने भी कृष्णा श्रॉफ की इस तस्वीर को रिशेयर किया है। वहीं, उन्होंने अपनी स्टोरी पर एक वीडियो लगाया है,

जिसमें वह भाई टाइगर श्रॉफ के साथ मस्ती करती नजर आ रही हैं।बताते चलें कि बीते साल 2020 के नवंबर में कृष्णा श्रॉफ का अपने बॉयफ्रेंड एबन हायम्स के साथ ब्रेकअप हो गया था। उन्होंने इस बात की जानकारी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर दी थी। इसके साथ ही कृष्णा श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एबन हायम्स की सभी फोटोज और वीडियोज डिलीट कर दिए थे।दिशा पाटनी के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म च्राधेः योर मोस्ट वॉन्टेड भाईज की शूटिंग को खत्म किया है। प्रभुदेवा के डायरेक्शन में बनने वाली इस फिल्म में वह सलमान खान के साथ नजर आएंगी।

शाहरुख खान की पठान में होगा मिशन इम्पॉसिबल जैसा ऐक्शन?

बॉलिवुड के बादशाह शाहरुख खान बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। वह इन दिनों थ्रिलर फिल्म च्पठानज की शूटिंग कर रहे हैं जिसका डायरेक्शन वॉरज फेम डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। फिल्म में शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण लीड ऐक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी। जब से इस च्पठानज का अनाउंसमेंट हुआ है और फिल्म से शाहरुख का फर्स्ट लुक सामने आया है, फैंस इसे लेकर काफी एक्साइटेड हैं।

दुबई में हो रही शूटिंगः फिलहाल, एसआरके और उनका क्रू फिल्म से जुड़ी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आने दे रहा है। हालांकि, फिल्म की शूटिंग दुबई में हो रही है और वहां के फैंस ने फिल्म के ऐक्शन सीच्सेस की कुछ वीडियो क्लिप्स सोशल मीडिया पर शेयर की हैं।

वीडियोज हो रहे वायरलः इन वीडियोज में देखा जा सकता है कि टीम चलती कार और यहां तक कि चलते ट्रक के ऊपर फाइट सीच्स शूट कर रही है। क्लिप में ट्रक के ऊपर दो शख्स लड़ते हुए दिख रहे हैं। वीडियोज देखकर ऐसा लग रहा है जैसे फिल्म च्मिशन इम्पॉसिबलज स्टाइल के ऐक्शन सीन्स होंगे।फिल्म में दिखेंगे ये स्टार्स बताया जा रहा है कि फिल्म में शाहरुख और दीपिका के अलावा जॉन अब्राहम भी अहम किरदार में नजर आएंगे। वह फिल्म के विलन हो सकते हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने रेड स्विमसूट में ढाया कहर, वीकेंड पर शेयर की तस्वीरें

इंटरनैशनल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस की दुनियाभर में फैन-फॉलोइंग है। वह सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं। इस समय प्रियंका अपने पति निक जोनस के साथ लंदन में हैं और वहां से लगातार अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। हाल में प्रियंका ने पूल में मस्ती करते हुए वीकेंड पर रेड कलर के स्विमसूट में तस्वीरें शेयर की हैं।इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की गई इन तस्वीरों में प्रियंका बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। प्रियंका ने यह तस्वीरें वीकेंड इंजॉय करते हुए शेयर की हैं। इन तस्वीरों में प्रियंका रेड स्विमसूट में पूल में इंजॉय करती दिखाई दे रही हैं।वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रियंका की हाल में राजकुमार राव के साथ फिल्म च्द वाइट टाइगरज रिलीज हुई थी। ओटीटी पर रिलीज हुई इस फिल्म को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। अब प्रियंका मशहूर हॉलिवुड सीरीज च्मेट्रिक्सज की चौथी फिल्म में कियानू रीव्स के साथ काम करेंगी।

रामायण पर बन रही फिल्म में राम नहीं रावण बनेंगे रितिक रोशन?

जोधा अकबरज में अकबर का किरदार निभाने वाले रितिक रोशन एक बार फिर से ऐतिहासिक किरदार निभाने जा रहे हैं। मधु मंटेना की हाई बजट 3ष्ठ फिल्म रामायण में रितिक रोशन के किरदार को लेकर स्थिति साफ होने लगी है। पहले बताया जा रहा था कि प्रभु श्रीराम का किरदार रितिक निभाएंगे, जबकि सीता मां का किरदार दीपिका पादुकोण कर सकती हैं।अब खबर आ रही है कि रितिक फिल्म में भगवान राम का नहीं बल्कि लंकापति रावण का किरदार निभाएंगे। सूत्रों के अनुसार महाभारत की कहानी पर आधारित फिल्म द्रौपदी को लेकर रितिक की बात चल रही थी लेकिन कुछ कारणों की वजह से यह फिल्म शुरू नहीं हो पाई। इस बीच मधु मंटेना ने अपनी मेगा बजट फिल्म की घोषणा कर दी लेकिन एक सूत्र ने बताया है कि रितिक से इसमें राम नहीं बल्कि रावण की भूमिका निभाने के लिए बात चल रही है।इसके अलावा निर्माता-निर्देशक ओम राउत ने भी अपनी 3डी फिल्म आदिपुरुष का ऐलान किया है। इसमें साउथ के सुपरस्टार प्रभास श्रीराम के लीड रोल में दिखने वाले हैं, जबकि सैफ अली खान की एंट्री रावण के रोल के लिए हुई है। वहीं कृति सैनन सीता के किरदार में दिखाई देंगी। ऐसे में देखना होगा कि कौन सी फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी और सैफ या रितिक में कौन रावण जैसे दिलचस्प किरदार को ईमानदारी से निभा पाएगा।

एयरपोर्ट पर टिकट भूल गईं श्रुति हासन, बॉयफ्रेंड शांतनु हजारिका ने दौड़कर की हेल्प

ऐक्ट्रेस श्रुति हासन ने बीते गुरुवार को अपना 35वां जन्मदिन मनाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिससे लग रहा है कि वह शांतनु हजारिका प्यार में हैं। फिलहाल दोनों ने इस बात पर लेकर अभी तक कोई बात नहीं की है। अब ऐक्ट्रेस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें वह अपने कथित बॉयफ्रेंड शांतनु हजारिका के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आ रही हैं।बताया जा रहा है कि श्रुति हसन अपनी एक फिल्म की शूटिंग के लिए निकली थीं और शांतनु हजारिका उन्हें एयरपोर्ट पर छोड़ने आए थे। एयरपोर्ट पर दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया। वीडियो में आप देख सकते हैं कि श्रुति हासन अपना टिकट भूल गईं तो शांतनु हजारिका ने दौड़कर टिकट पकड़ाया। सोशल मीडिया पर ऐक्टिव रहने वालीं श्रुति हसन ने अपने जन्मदिन के फोटोज और वीडियोज शेयर किए हैं।

रितेश देशमुख-जेनेलिया ने दोस्तों संग की वीकेंड पर धमाल पार्टी, कोई जमीन पर गिरा तो कोई डांस में दिखा मशगूल

रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूज़ा ने अपना वीकेंड जबरदस्त मनाया और इसकी मजेदार झलक फैन्स को भी दिखाई है। दोनों ने इंडस्ट्री के अपने दोस्तों के साथ धमाकेदार पार्टी की है जिसमें आशीष चौधरी, शमिता बंगारगी, कुमकुम भाग्य स्टार शब्बीर अहलूवालिया और उनकी वाइफ कांची कौल भी शामिल थीं। रितेश और जेनेलिया ने इस वीकेंड पार्टी का एक मजेदार वीडियो शेयर किया है, जिसमें ये सभी 6 दोस्त झूमकर डांस करते दिख रहे हैं। ये सभी मराठी हिट फिल्म सैराट का फेमस सॉन्ग झिंगाट पर तहलका मचाते दिख रहे हैं।इस पार्टी के वीडियो की शुरुआत जेनेलिया, कांची और शमिता से होती है, जिसमें ये तीनों खूब झूमती दिख रही हैं, इसके बाद एंट्री होती है रितेश देशमुख, शब्बीर अहलूवावलिया की। इसके बाद तो सभी मिलकर खूब तहलका मचाते हैं और डांस करते हुए इनमें से कुछ जमीन पर गिर भी जाते हैं। रितेश ने इस पार्टी का एक और मजेदार वीडियो शेयर किया है।वर्कफ्रंट की बात करें तो रितेश देशमुख की आखिरी फिल्म बागी 3 थी जो पिछले साल रिलीज हुई थी। इस वक्त उनके हाथ में कई फिल्में हैं।

वन-टू-वन

दतिया अपराधी अपराध करना बंद करो नहीं तो खाओगे जेल की हवा

क्यों की दतिया पुलिस अपराध पनपने नहीं देगी हो जाएं सावधान मिली बड़ी सफलता दुनाली बंदूक,एक देशी कट्टा सहित दो आरोपी कोतवाली पुलिस की गिरफ्त में

संदीप प्रधान उप संपादक की रिपोर्ट

पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौर जी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमल मौर्य के मार्गदर्शन में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना पर शक्ति माता मंदिर के पास रिंग रोड से धर्मेंद्र उर्फ धम्मू पुत्र सूरज वंशकार उम्र 20 साल निवासी होलीपुरा दतिया को पकड़ा गया जिसके कब्जे से 12 बोर का एक देसी कट्टा तथा एक जिंदा राउंड मिला जिसके विरुद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 350 / 21 धारा 25(1)आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध किया गया । ठंडी सड़क कान्हा वाटिका के सामने स्टार होम के पास से एक व्यक्ति को 12 बोर दुनाली बंदूक सहित पकड़ा गया जिसने बंदूक का लाइसेंस अपने पिता के नाम होना बताया था अपना नाम कुलदीप पुत्र अभी कुमार तिवारी उम्र 37 साल निवासी ठंडी सड़क होना बताया इस पर 30 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 352/ 21 पंजीबद्ध किया गया । यह मसरुका हुआ बरामद ---- एक बार देसी कट्टा एक जिंदा कारतूस ,एक दुनाली बंदूक इनकी रही मुख्य भूमिका निरीक्षक रविंद्र शर्मा थाना प्रभारी कोतवाली सउनि हरेंद्र सिंह भदौरिया, प्रधान आरक्षक शिव गोविंद ,आरक्षक रविंद्र यादव, गजेंद्र राजावत

जप्तशुदा ट्रक एवं गौवंश के हितधारी जप्तशुदा वाहन एवं गौवंश के मालिक प्रमाण के साथ 17 अगस्त को न्यायालय में प्रस्तुत हों'

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। जिला दण्डाधिकारी भिण्ड डॉ सतीश कुमार एस ने जप्तशुदा ट्रक एवं गौवंश के हितधारी जप्तशुदा वाहन एवं गौवंश के मालिक के रूप में ठोस प्रमाण के साथ कलेक्टर न्यायालय में 17 अगस्त 2021 को पेशी पर स्वयं अथवा अधिकृत अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर जिला दण्डाधिकारी के समक्ष समर्थन प्रस्तुत करें। जर्रे नोटिस के माध्यम से सूचित किया है कि पुलिस अधीक्षक भिण्ड के प्रतिवेदन पर 31 जनवरी 2021 को केंटर क्र.एचआर 55/पी-7182 में 24 गाय, 5 सांड व एक गाय मृत अवस्था में गौवंश, गौवंश का वध करने के उद्देश्य से परिवहन करते पाए जाने पर थाना रौन जिला भिण्ड में अपराध क्र.26/21 धारा 3,9,9 (2) म.प्र. गौवंश प्रति.अधि.11 (1)(घ)पशु क्रूरता निवा अधिनियम 1960 पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में जप्तशुदा वाहन केंटर क्र.एचआर 55/ पी-7182 के विरूद्ध राजसात की कार्यवाही किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। अतःजप्तशुदा केंटर एवं गौवंश के हितधारी जप्तशुदा वाहन एवं गौवंश के मालिक के रूप में ठोस प्रमाण के साथ जिला दण्डाधिकारी जिला भिण्ड के न्यायालय में पेशी दि.17 अगस्त 2021 को स्वयं अथवा अधिकृत अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर जिला दण्डाधिकारी जिला भिण्ड के समक्ष पक्ष समर्थन प्रस्तुत करें। नियत पेशी दिनांक को तदाशय का हितसंरक्षण/पक्ष समर्थन प्रस्तुत न किए जाने की दशा में जप्तशुदा ट्रक/गौवंश को शासन हित में राजसात किया जाकर नीलामी की कार्यवाही की जावेगी। नियत तारीख के उपरांत प्रस्तुत आवेदन पत्र विचारणीय नहीं होंगे।

धार्मिक स्थलों पर एक समय में 50 से अधिक श्रृद्धालु एकत्रित नहीं हो सकेंगे'

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ, पुष्पांजली टुडे

(गृह विभाग के पूर्व में जारी आदेश अनुसार ईदगाह पर 6 से अधिक व्यक्ति एकत्रित नही हो सकेंगे)

भोपाल। कलेक्टर अविनाश लवानिया ने बताया कि राज्य शासन के आदेश अनुसार भोपाल जिले में भी ईदगाह को छोड़कर अन्य सभी धर्मों के पूजा स्थलों पर एक समय में 50 से अधिक श्रृद्धालु एकत्र नहीं हो सकेंगे। उल्लेखनीय है कि अपर मुख्य सचिव गृह ने कोरोना गाइडलाइन संबंधी नवीन दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब एक समय में एक ही स्थान पर अधिकतम 50 व्यक्ति पूजा में सम्मिलित हो सकेंगे।

सभी धार्मिक/पूजा स्थलों (ईदगाह को छोड़कर, यहां पर गृह विभाग के पूर्व में जारी आदेशानुसार 6 लोग से अधिक एकत्रित नही हो सकेंगे) में स्थान की उपलब्धता के दृष्टिगत एक समय में अधिकतम 50 व्यक्ति पूजा कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि कोविड-19 की रोकथाम के लिए पूजा स्थल के प्रबंधकों को कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कराना बंधन कारी होगा।

चम्बल में अब्बल वांटेड सिंघम अफसर

केशव पंडित जी चम्बल ब्यूरो चीफ

पुष्पांजली टुडे

चम्बल / अम्बाह मुरैना डर और दहशत के साए में लिप्त आज (मयूरवन) मुरैना नगरी को आज ऐसे दबंग, निडर, बेखौफ, निर्भीक सिंघम अफसर की सखूत ज़रूरत है, मांग है,तलाश है जो शहर के क्राइम को बखूबी समझता हो, जानता हो जिसने इन गुंडों की कुंडली खंगाल रखी हो इनके ठिकानों से परिचित हो जो शहर के गुंडों की नब्ज से भी वाकिब हो और साथ ही शहर के क्राइम का इतिहास और भूगोल की भली भांति जानकारी भी रखता हो जो इनके मंसूबे भी जानता हो जो इनकी जमकर नकेल कस सके वो सिंघम इतना काबिल इतना माहिर, इतना स्किल्ड, इतना जोशीला हो कि क्राइम को जड़ मूल से ही खात्मा कर सके और पनप रहे इस गेंगवार व माफियो को कुचल सके और तो और जो इन्हे पाताल तक जाकर खदेड़ सके इन्हे रौंद सके

मेरे जहन में ऐसे 3अफसर रहे है जिनकी आंखों में खून आवाज में लोहा इरादे फौलादी, हौसले बुलंद और जुर्म को कुचलने का माद्दा रखने वाले सिंघम अधिकारी इस शहर को मिले थे जिन्होंने अपनी वर्दी के दम पर अपने खास दमखम से शहर को क्राइम मुक्त ही नही किया बल्कि इनमे खौफ भी पैदा किया,,,इस शहर से खदेड़ा,,, सलाखों के पीछे भी पहुंचाया,,, बिना राजनीति दबाव के गुंडों में खौफ और भय पैदा किया,,, कड़ी कार्यवाही की,, कई अपराधियों को तो शहर से भागना भी पड़ा,,,

इनकी आर्थिक कमर भी तोड़ी,,,, और इस शहर को अपने अद्भुत कार्यशैली से अमन चैन की सौगात भी दी,,,,

एक अधिकारी आईपीएस अनिल शर्मा थे, दूसरे युवा आईपीएस डा.असित यादव और तीसरे टीआई रहै उपेन्द्र भाटी,,,असित यादव और भाटी ऐसे नाम है जिससे अपराधियों की रूह भी कांपती है,,,, इन अधिकारियो का इतिहास रहा है कि जिस शहर में भी जाते हैं,,, गुंडों, असमाजिक तत्वों की शामत आ जाती है,,, सच कहूं तो अपराधियों के लिए काल ही बन जाते है,,, न जाने ये कौन सी मिट्टी से बने है कि क्राइम को देखते ही बेहद बेरहम हो जाते हैं,,, कहर बनकर टूट पड़ते हैं,,,,जब असित यादव मुरैना में एसपी रहै जनता के दिलो में राज किया नैनागढ रोड पर व्यबसायी के 3 बर्ष के बेटे अपहरण हुआ और अपनी सूझ बूझ से 3 घन्टे अपहरण मुक्त करा लिया यह उपलब्धि चम्बल की पहली रही है इससे पूर्ब मुरैना के अम्बाह में तीन हुऐ दो बच्चो को मृत व एक का आज तक पता नही है एक अभी अम्बाह में बच्ची का अपहरण कर धोती से गला दबा कर हत्या हुई है मामला गर्म चल रहा है रूअर से किडनेप हुई लक्ष्मी का आज तक पता नही है तो ऐसे अपहरण कर्ताओ व गुंडों को जमकर खदेड़ा ही नही,,,इनका जुलूस भी निकाला,,, इनका जीना मुहाल कर दिया था,,, मुरैना से जुर्म का नामो निशान मिटाया दिया था,,, रहवासियों द्वारा भी इनकी सिंघम कार्यशैली को काफी सराहा भी गया,,,अनिल शर्मा ने अपने डीआईजी कार्यकाल में जब जब जब चम्बल में लाइन ऑर्डर हुऐ अनिल शर्मा ने ही सभाले गुंडों की आर्थिक कमर ही नही तोड़ी बल्कि जमीदोज भी किया,,,, इनका कार्यकाल भी काफी उल्लेखनीय रहा,,, प्रहार अभियान ने चम्बल में काफी सुर्खियां भी बटोरी थी,,, असित यादव को उस हारी पारी के समय उतारा गया था जब आईपीएस रियाज इकबाल का महज15 दिन में ही तबादला हुआ व लोक सभा चुनाव सर पर थे जब इनकी पोस्टिंग हुई तब शहर में शराब माफिया, भू माफिया , अड़ीबाज़ और गुंडों ने गदर मचा रखा था,,,ये शहर मुरैना गवाह है कि चार्ज लेते ही आईपीएस असित यादव अपने रंग में आए,,, नामी गिरामी फायरिग करने बालो की उगली हथियार के टाइगर दबाने के काबिल न छोडी और धरपकड़ की,,, किसी को भी नही बक्शा,,, मुरैना मे एटीएम तोडने बाले संपाती जातियो के कंजरो को दिल्ली से पकड़ा,,, अवैध शराब अम्बाह में बेयर हाउस मेनेजर से साढे सात लाख लूटकर व्दारा फायरिग करने पर दबोच लिया तथा अबैध कारोबारियों ,, गुंडों को भी चुन चुनकर ठिकाने लगाया,,, सभी को सलाखों के पीछे पहुंचाया,,, राजनीति हस्तक्षेप को भी किनारा करते हुए अपना फर्ज बखूबी निभाया,,,

यदि कार्यप्रणाली और कार्यशैली की बात करें तो,,, इसी श्रेणी में संतोषसिंह भी गुंडों के सर्जन ही माने जाते है,,, इनकी कार्यशैली अपराधी के लिए शामत और आफत बनी है,,, ये अधिकारी भी लोगों के दिलों में राज करते है,,, इरसाद वली और सचिन अतुलकर व आसुतोष बागरी भी सिंघम श्रेणी में ही आते है,,,में डा.असित यादव के पक्ष में अधिक हूं,,, मुरैना शहरवासियों को भी असित यादव की कार्यशैली काफी भाई भी,,,और सराहा भी गया,,, लेकिन कुछ सफेदपोश नेताओं को उनका अंदाज नागवार गुजरा,,,और नापसंद थी,,, उनकी दबंगता, निर्भीकता और निडरता उन्हें रास नही आई,,, राजनीति के चलते ताबड़तोड़ ही राजेश को शहर से रवाना होना पड़ा,,,,

शहर के ऐसे नाजुक हालातों में दबी जुबान से विभाग के स्टाफ और अफसर भी डा असित यादव की ही मांग कर रहे है परन्तु वो आने को तैयार नही है,,, शहरवासी भी ऐसे ही धाकड़ और निडर सिंघम अफसर को ही देखना चाहेंगे जो इस मुरैना नगरी में सौहार्द, अमन और चैन लौटा सकें,,,और (मयूरवन) मुरैना नगरी को क्राइम मुक्त और भयमुक्त बना सकें।

लक्ष्मी सिरवी को बनाया गया जिला सह संयोजक

नेनाराम सिरवी ब्यूरो, पुष्पांजली टुडे

पाली। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वकांक्षी योजना गरीब कल्याणअन्न योजना देश के 80 करोड लोगों तक मुफ्त राशन देने वाली महत्वकांक्षी योजना का लाभ सभी जरूरतमंदों तक पहुंचे इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रदेश कार्यालय भारतीय जनता पार्टी की ओर से चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रदेश संयोजक प्रदेश सह संयोजक एवं जिला संयोजक जिला सह संयोजक के नाम की घोषणा की गई। प्रदेश के विभिन्न संभाग स्तर कार्यकारिणी गठित की गई। जिले स्तर पर संयोजक और सह संयोजक के नाम की घोषणा की गई। पाली जिले के लिए पूनम सिंह परमार को जिला संयोजक और लक्ष्मी सिरवी को जिला सह संयोजक बनाया गया। भारतीय जनता पार्टी के जिला स्तर पर प्रदेश कार्यालय की ओर से नियुक्तियां की गई।

9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस का हर्ष उल्लास के होगा आयोजन

रितेश कटरे ब्युरो चीफ, पुष्पांजली टुडे

बालाघाट जिला आदिवासी बाहुल्य जिला है जहां आदिवासी परिवार बसते हैं। संस्कृति की विरासत को समेटे हुए आदिवासी आज भी अपनी परंपराओं को परंपरागत तरीके से निर्वहन करते हैं। जिले की लांजी तहसील में 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम को लेकर सर्व आदिवासी समाज लांजी ने दिनांक 21 जुलाई 2021 को स्थान गोंडवाना सामुदायिक भवन लांजी में बैठक सम्पन्न संपन्न कराई । जिसमें लांजी क्षेत्र के समस्त आदिवासी समाज के प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उक्त बैठक में विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाये जाने का संयुक्त निर्णय लिया गया हैं। कार्यक्रम लांजी नगर के गोंडवाना सामुदायिक भवन

के सभागार में सम्पन्न किया जायेगा। कार्यक्रम हेतु लांजी क्षेत्र के तमाम आदिवासी समाज से सहयोग की अपील की गई हैं। सर्व आदिवासी समाज द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर अपने पारंपरिक वेश-भूषा एवं पारंपरिक व्यवस्थाओं के साथ उपस्थित होने की अपील की जाती हैं, साथ ही कोविड-19 के स्वास्थ्य संबंधित नियमों का पालन करना अनिवार्य बताया हैं। आगामी समीक्षा बैठक 25 जुलाई दिन रविवार को गोंडवाना सामुदायिक भवन लांजी में आयोजित होना हैं, जिसमे समस्त आदिवासी समाज के अध्यक्षों से उपस्थित होने की अपील की जाती हैं। जिसमें संबंधित कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर तथा कार्यक्रम की जिम्मेदारियां सौंपी जाएगी। उक्त बैठक में सर्व आदिवासी समाज के सामाजिक कार्यकर्ता तिरुमाल मोतीराम उईके, ऋषिकेश घोरमारे, श्रावण उईके, हिरामन उईके, परशुराम धारने, गजानन हनोते, चितरंजन उईके, अमोल सिंह धुर्वे, श्रीराम घरते, गांधी घोरमारे, अतुल हनोते, राकेश नारनौरे, संजय घोरमारे आदि उपस्थित रहे।

केक काटकर नवजात बालिकाओं का जन्मोत्सव मनाया गया

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

बीजोवा(पाली) बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजनान्तर्गत जिला प्रशासन व महिला अधिकारिता विभाग के सौजन्य से रानी उपखण्ड के बिजोवा कस्बे के सोशल सर्विस सोसायटी के तत्वावधान में सोमवार को 10 बेटियों का केक काटकर जन्मोत्सव राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सभा भवन में मुख्य अतिथि ज्योतिमुनोट दादाई, समाज सेवी व विशिष्ट अतिथि युगराज जैन समाज सेवी एवं महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक भागीरथ की अध्यक्षता में केक काटकर नवजात बालिकाओं का जन्मोत्सव मनाया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा बालिकाओं की माताओं को नगद राशि देकर सम्मान किया गया एवं महिला अधिकारिता विभाग द्वारा बालिकाओं को बेबी किट वितरित किये गये। कार्यक्रम के दौरान मुख्य

अतिथि द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में वृक्षारोपण कर बेटियों के जन्म पर अधिक से अधिक पौधारोपण करने व पर्यावरण को हरा भरा बनाने का संदेष दिया गया। विशिष्ट अतिथि द्वारा कविता के माध्यम से बेटी जन्म के महत्व को बताते हुए बेटी जन्म से लेकर नारी के रूप में त्याग, सम्पर्ण एवं बलिदान पर प्रकाश डाला गया। बेटी बचाओ बेटी पढाओं के ब्रांड एम्बेसडर डॉ.राजकमल पारीक द्वारा शपथ ग्रहण करवाई गई एवं राजश्री योजना के तहत सरकार द्वारा बेटी जन्म पर समय-समय पर दी जाने वाली धन राशि की जानकारी के साथ-साथ ही टीकाकरण के बारे में जानकारी दी गई। विशेष ग्राम सभा में बेटी बचाओ बेटी पढाओं योजना का एजेण्डा व महिला वार्ड सभा व महिला ग्राम सभा एवं महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी गई।

वृक्षारोपण एवं कन्या वाटिका में औषधीय व फल वाले कुल 31 पौधे लगाये गये। मंच संचालन शिवप्रकाश व्यास व्याख्याता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महिला सुपरवाइजर कल्पना चिकारा, मेघराज परिहार उर मिलामुनोत, अशोक मुनोत, साथिन सुशीला देवी, आंगनवाडी कार्यकर्ता मंजूला, किरण भाटी, संतोष चौधरी, रतन सेन सहित सहायिका एवं आशा सहयोगिनी उपस्थित रही।

दुल्हन ने विदाई से पहले पौधारोपण कर दिया पर्यावरण का संदेश

नेनाराम सिरवी ब्यूरो, पुष्पांजली टुडे

पाली। पाली ब्लाक के ग्राम प ंचायत दयालपुरा में आँजणा पटेल समाज की नई पहल। हरियालो राजस्थान का संकल्प पूरा करने के लिए आजना पटेल समाज के शादी समारोह के दौरान दुल्हन ने अपने घर से विदाई से पहले पौधारोपण कर मेहमानों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देखकर एक अनूठी मिसाल कायम पेश की। समाजसेवी हरिभाई पटेल रूपावास के सहयोग से पर्यावरण प्रेमियों सहित दूल्हा दुल्हन एवं बारातियो को राजस्थान हरियालो संरक्षण बचाव के लिए जैसे तुलसी, बिल्ल-पत्र, आम , जामुन, बादाम अनेक फलदार व छायादार विभिन्न कई प्रकार के पौधे वितरित किया तथा समय पर देख रेख करने रखने का संकल्प दिलाकर जिम्मेदारी सौंपी गई ।

इस अवसर पर पुर्व जिला परिषद सदस्य श्रीदेवी पटेल, पुर्व छात्रसंघ अध्यक्ष पायल पटेल व कविता पटेल ,दुर्गाराम , कलाराम, भंवरलाल, लक्ष्मण, जीवाराम भुरिया, नारायण लाल, गणेश राम, मोहनलाल कड, पुखराज चौधरी, गोविन्द गिरी सहित कई समाजबंधु मौजूद रहे ।

पर्यावरण है हम सबकी शान, एक पेड़ सौ पुत्र समानः सौरभ बघेल

अरुण शुक्ला, पुष्पांजली टुडे

भिण्ड - विकलांग बल मध्यप्रदेश के राज्य सचिव शिवराज उर्फ सौरभ बघेल ने अकोड़ा नगर के खेड़ापति हनुमान मंदिर परिसर मै अनेक प्रकार के औषधि पेड़ पौधा का रोपण किया।

इस अवसर पर सौरभ बघेल ने मप्र के 52 जिलों के प्रत्येक विकलांग बंधुओ से अपील की है की हम सबको एक- एक पेड़ का रोपण करना है उन्होंने कहा कि बेहतर भविष्य के लिए सिर्फ अच्छी शिक्षा ही नही प्रकृति का साथ भी जरुरी है, एक स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ वातावरण का होना जरुरी है, अगर हम आप मिलकर वृक्षारोपण करेंगे तो आने बाली पीढ़ी को एक बेहतर भविष्य दे सकेंगे वृक्षारोपण से न केवल हमारी धरती की हरियाली एवं सौंदर्य मै वृद्धि होगी बल्कि

ऑक्सीजन की आपूर्ति भी बढ़ेगी, हम सभी पृथ्वी पर प्राण वायु की मात्रा बढ़ाने के लिए अपने आसपास सामर्थ्य अनुसार पेड़ पौधे जरूर लगाए और उनकी देखभाल तब तक करें जब तक कि वह वृक्ष न हो जाये,* वृक्षारोपण कार्यक्रम मै बाबा सुदीप सौरभ बघेल सोनम बाथम जिर्राज भदौरिया रमेश यादब रविंद्र बघेल राम प्रताप धर्मेंद्र शर्मा उपस्थित रहे।

वन-टू-वन

दमोह मॉडल कांग्रेस की उम्मीद, भाजपा के लिए चुनौती अपार

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक लोकसभा और तीन विधानसभा सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव कोरोना संकट के बीच ही होंगे। यह संकट भाजपा के लिए बड़ी चुनौती की तरह है। शिवराज सरकार के फिर से सत्ता में लौटने के समय से ही कोरोना की चुनौती के कारण बड़ी उपलब्धि जनता के बीच ले जाने की स्थिति नहीं है। वहीं, दमोह उपचुनाव में सफलता से उत्साहित कांग्रेस इसी मॉडल पर बाकी के उपचुनाव भी लड़ेगी। अगले विधानसभा चुनाव से पहले होने वाले यह उपचुनाव प्रदेश में सत्ता के सेमीफाइनल की तरह हैं। इसे लेकर भाजपा में चिंतन का दौर जारी है। कांग्रेस की रणनीति यह है कि जनता से सीधे संवाद के माध्यम से उसने दमोह उपचुनाव जीता था। इसी पैटर्न को आने वाले उपचुनावों में भी लागू किया जाएगा। चारों उपचुनाव प्रदेश के चार अलग-अलग क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करेंगे, इसलिए इसके नतीजों से जनता का रुख स्पष्ट हो जाएगा।

दमोह मॉडल कांग्रेस की उम्मीद, भाजपा के लिए चुनौती अपार

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक लोकसभा और तीन विधानसभा सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव कोरोना संकट के बीच ही होंगे। यह संकट भाजपा के लिए बड़ी चुनौती की तरह है। शिवराज सरकार के फिर से सत्ता में लौटने के समय से ही कोरोना की चुनौती के कारण बड़ी उपलब्धि जनता के बीच ले जाने की स्थिति नहीं है। वहीं, दमोह उपचुनाव में सफलता से उत्साहित कांग्रेस इसी मॉडल पर बाकी के उपचुनाव भी लड़ेगी। अगले विधानसभा चुनाव से पहले होने वाले यह उपचुनाव प्रदेश में सत्ता के सेमीफाइनल की तरह हैं। इसे लेकर भाजपा में चिंतन का दौर जारी है। कांग्रेस की रणनीति यह है कि जनता से सीधे संवाद के माध्यम से उसने दमोह उपचुनाव जीता था। इसी पैटर्न को आने वाले उपचुनावों में भी लागू किया जाएगा। चारों उपचुनाव प्रदेश के चार अलग-अलग क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करेंगे, इसलिए इसके नतीजों से जनता का रुख स्पष्ट हो जाएगा।

युवक ने रेल्वे ट्रैक पर लेटकर की आत्महत्या, सिर, हाथ कटकर हुए अलग

भोपाल। राजधानी भोपाल के शाहपुरा इलाके में एक युवक ने ट्रेन के सामने से आने पर रेलवे ट्रेक पर लेट गया, ट्रैन की चपेट मे आने से उसके शरीर से हाथ और सिर कटकर अलग हो गए। बताया गया है, आर्थिक तंगी ओर शादी नहीं होने के कारण वो काफी परेशान चल रहा था। हालांकि पूलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, ओर न ही कोई पारिवारिक विवाद सामने आया है। शाहपुरा पुलिस ने बताया कि बीती रात करीब 12 बजे बावर्?िया ब्रिज के पास रेलवे ट्रक पर एक लाश प? होने की सूचना मिली थी। सूचना पाकर मौके पर पहुची पुलिस टीम को मौके से एक मोबाइल फोन मिला। उसके आधार पर आधरी रात के करीब मृतक की शिनाख्त त्रिलंगा निवासी प्रवीण तिर्की (30) के रूप में हुई। मृतक के ब? भाई ने मौके पर पहुंचकर उसकी शिनाख्त की। पुलिस ने बताया कि शव हिस्सों में कट चुका था। ऐसे में कप?ों के आधार पर उसकी शिनाख्त की गई है। परिवार वालो ने बताया कि मृतक की उसकी शादी नहीं हुई थी। पुलिस को आशंका है, कि वह इसी को लेकर तनाव में रहा होगा। शुरुआती जॉच मे पुलिस को किसी तरह के विवाद के पारिवारिक विवाद की जानकारी नहीं मिली है। हालांकि पुलिस को यह पता चला है कि वो आर्थिक तंगी से गुजर रहा था, ओर फिलहाल बस में कंडेक्टरी करता था। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जॉच शुरु कर दी है।

अब डाक विभाग दाखिल करेगा आपका आयकर रिटर्न

प्रदेश के 1012 डाकघरों में जल्द ही होने जा रही शुरूआत

भोपाल। आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए करदाता आमतौर पर किसी पेशेवर सीए या कर सलाहकार की मदद लेते हैं। कुछ लोग ऑनलाइन भी आईटीआर जमा कर लेते हैं, पर उसमें टैक्स से जुड़ी तकनीकी खामियों का डर बना रहता है। करदाताओं को इससे राहत प्रदान करने के लिए भारतीय डाक नई सेवा की शुरूआत करने जा रहा है। इसमें डाक विभाग करदाताओं को रिटर्न दाखिल करने की सुविधा प्रदान करने जा रहा है। इसके लिए पोस्ट ऑफिस के कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) की मदद लेनी होगी। हाल ही में डाक विभाग ने ट्वीट के जरिए इस सेवा का ऐलान किया था। प्रदेश के 1012 डाकघरों में आयकर रिटर्न दाखिल करने की सुविधा मिलेगी, इसके लिए विभाग के कर्मचारियों को ट्रेनिंग का काम प्रारंभ कर दिया गया है। नजदीकी पोस्ट ऑफिस के सीएससी काउंटर पर ये सुविधा मिलने से लाखों करदाताओं को सहूलियत हो जाएगी। डाकघरों में चलाए जाने वाले कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) में पहले से कई काम किए जा रहे हैं। सीएससी के जरिए वित्तीय कार्यों में मदद मिलती है। यहां प्रमुख रूप से डाक सेवा, बैंकिंग, इंश्योरेंस सर्विस, आधार अपडेशन आदि की सुविधा पहले से दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि बहुत जल्द ही करदाताओं की सुविधा के लिए यह नई सेवा शुरू होने जा रही है। इसके लिए पोस्ट ऑफिस के कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) की मदद लेनी होगी। प्रदेश के 1012 डाक घरों में आयकर रिटर्न दाखिल करने की सुविधा मिलेगी।

'विरोधी दलों ने लोकसभा सदन में दलित समाज से जुड़े केंद्रीय मंत्रियों के परिचय में हंगामा कर अपनी ओछी मानसिकता को प्रदर्शित किया : संध्या राय'

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिंड दतिया लोकसभा सांसद श्रीमती संध्या राय एवं पार्टी जिलाध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर ने संयुक्त रूप से कहा की मानसून सत्र के लोकसभा सदन में कार्रवाई के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा नए मंत्रिमंडल में हमारी मातृशक्ति को मिले स्थान एवं पिछड़ा वर्ग समाज से जुड़े केंद्रीय मंत्रियों का परिचय प्राप्त कराते समय कांग्रेश और अन्य विरोधी दलों द्वारा हंगामा खड़ा करना उनका दलित विरोधी चेहरा सामने उजागर हो चुका है 7 केंद्रीय मंत्रिमंडल में सबसे ज्यादा हमारी महिलाओं को अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति पिछड़ा वर्ग समाज के लोगों को शामिल किया गया उनका परिचय ना होने देना यह उनकी ओछी मानसिकता को प्रदर्शित करता है जो कि लोकतंत्र के विरुद्ध है द्य भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय सांसद श्रीमती राय एवं पार्टी जिला अध्यक्ष गुर्जर ने कांग्रेश और विरोधी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र में अधिकतर कांग्रेस की सरकार आ रही जिन्होंने अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति पिछड़ा वर्ग समाज के वोट बैंक की राजनीति की उनको केंद्र में और प्रदेशों की सरकारों में स्थान नहीं दिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने समाज को स्थान देना प्रारंभ किया सबका साथ सबका विश्वास सबका विकास यह मूल मंत्र के साथ उन्होंने मंत्रिमंडल में हमारे दलित समाज को महत्व स्थान पर बैठा कर समाज को गौरवान्वित किया लेकिन सदन की कार्यवाही में किस प्रकार कांग्रेश और विरोधी दलों ने सारी मर्यादाओं को तोड़ कर उनका परिचय ना होने देना यह समाज के साथ कुठाराघात किया है इससे उनका दलित विरोधी चेहरा समाज और देश की जनता के सामने उजागर हो चुका 7भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सांसद श्रीमती राय एवं पार्टी जिला अध्यक्ष गुर्जर ने कहा कांग्रेश दलित समाज के बीच किस मुंह से वोट मांगने के लिए जाएगी समाज उसका जवाब देने के लिए तैयार बैठा है यह कौन सी नीति है जब कोई भी काम सही होता है तो उसमें व्यवधान डालने का काम कांग्रेस और विरोधी दलों द्वारा किया जाता है आज हमारा दलित समाज भाजपा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर

खड़ा है और लोकसभा सदन में जिस प्रकार दलित समाज से जुड़े मंत्रियों का अपमान किया गया हमारा समाज कतई बर्दाश्त नहीं करेगा ।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की हमेशा दलित विरोधी नीति रही है लोकसभा हो क्या विधानसभा हो क्या नगरीय निकाय चुनाव के हो या जिला पंचायत में हो जब कोई भी समाज से जुड़ा व्यक्ति अपना नेतृत्व करता है तो कांग्रेस को रास नहीं आता और उसके विरोध में एक से अनेक उम्मीदवारों को खड़ा कर देते हैं कांग्रेश उस विचारधारा की पार्टी है भारत तेरे टुकड़े इंशाल्लाह कहने वाले लोगों के दम पर काम करते हैं ।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सांसद श्रीमती संध्या राय एवं पार्टी जिलाध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर ने कहा की लोकसभा सदन में जो हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी दलित समाज के मंत्रियों का परिचय प्राप्त के लिए खड़े हुए और उसमें कांग्रेस के लोगों ने अमंगल शुरू कर दिया और वही लोकसभा सदन में बैठी कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी राहुल गांधी इन्हें अपने लोगों को रोकने का कोई प्रयास नहीं किया और अनुसूचित जात समाज के मंत्रियों का पर्चा नहीं होने दिया जिसकी भाजपा ने घोर शब्दों में कड़ी निंदा की है ।

बयान जारी करने वालों में भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक श्रीराम जाटव, पूर्व विधायक रणवीर सिंह जाटव मध्यप्रदेश खनिज विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष कोक सिंह नरवरिया प्रदेश कार्यसमिति सदस्य देवेंद्र सिंह नरवरिया, केदारनाथ कुशवाह, राजकुमार सिंह कुशवाहा मोर्चा के जिला अध्यक्ष एडवोकेट अमृतपाल सिंह बघे,ल आर पी सिंह बघेल, एडवोकेट देवेंद्र सिंह बघेल, रामअवतार शिवहरे, दशरथ सिंह गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष शिवराज सिंह यादव, अशोक सिंह बघेल नागेंद्र सिंह पाल, महिला मोर्चा की पूर्व जिला अध्यक्ष श्रीमती सुशीला नरवरिया ,महेश सिंह नरवरिया ,राम रतन यादव ,रामवीर सिंह यादव, सरपंच संगीता कौशल, जितेंद्र भास्कर, धर्म सिंह भार्गव,अवधेश सिंह बघेल, नंदराम सिंह बघेल आदि प्रमुख है ।

मौसम की बेरुखी को एवं इन्द्रदेव को मनाने के के लिए

इंदरगढ़ नगर के बुज़ुर्ग मंदिर मंदिर जाकर चढ़ा रहे हैं झंडे कर रहे हैं टोटके

विवेक सेन संवाददाता, पुष्पांजली टुडे

इंदरगढ़ क्षेत्र सहित जिले में- पिछले लगभग एक माह से बारिश नही होने के चलते किसान चिंतित हैं बारिश नहीं होने के कारण किसानों द्वारा बोई गई फसल नष्ट हो रही है एवं धान की रोपाई भी नहीं की जा सकी इसी को देखते हुए नगर के बुजुर्गो द्वारा आज मंगलवार कोनगर के खेड़ापति मंदिर मंदिर से रामधुन के द्वारा नगर के प्राचीन मंदिरों मेंएवं नगर के छोटी-छोटी मंदिरों में जाकर झंडा चढ़ा कर प्रसाद वितरण किया खेरापति सरकार पर अखंड रामायण पाठ कराया जा रहा है वही ग्राम महरौनी के ग्रामीणों द्वारा मेंढक मटकी का विवाह संपन्न कराया जिससे वर्षा अच्छी हो गांव की बुजुर्गों का कहना है कि पुरानी टोटका है कि मेंढक मेंढकी का विवाह कराने से इंद्र देवता खुश होकर अधिक वर्षा करते हैं वही नगर के पटेल मुन्नी दांत रे का कहना है कि मौसम की बेरुखी को देख कर हम सभी किसान चिंतित है वर्षा नहीं हुई तो तिलहन एवं धान की फसल पूरी तरह से चौपट होगी किसानों द्वारा भी खेत में बोई गई फसलें भीषण गर्मी के कारण नष्ट हो रही हैं नगर हम सभी लोग क्षेत्र की मंदिर पर जाकर झंडा चढ़ा कर प्रार्थना कर रहे हैं कि वर्षा शुरू हो जिससे हम किसानों की चिंता दूर हो।

परियोजना अधिकारी ग्रामीण 2 ने किया आंगनबाडी केंद्रों का भ्रमण

पुष्पांजलि टुडे ब्यूरो विनोद पाठक की रिपोर्ट

श्योपुर परियोजना के अंतर्गत सेक्टर पांडोला एवं राडेप के आंगनबाडी केंद्र पांडोला ए. बी. सी. डी.ई. एफ. एवं राडेप ए. बी. सी. डी. ई. एफ. एवं राडेप मिनी का निरीक्षण जिला कार्यक्रम अधिकारी ओ. पी. पाण्डेय, परियोजना अधिकारी कैलाश राय एवं सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती शानू कुरैशी द्वारा उक्त केंद्रों का भ्रमण किया गया! भ्रमण के दौरान आंगनबाडी केंद्रों पर गर्म पका भोजन एवं नाश्ता की गुणवत्ता की जाँच की गई साथ ही आयरन सिरप एवं मल्टीविटामिन बच्चों को पिलाने एवं बच्चों के घर जाकर बच्चों के परिजनों को बच्चों के खान - पान एवं पोषण से सम्बंधित समझाईश दी गई! एवं बच्चों को नियमित रुप से आयरन सिरप एवं मल्टीविटामिन पिलाने के निर्देश दिए गये! उपस्थित आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को उक्त बच्चों के घर पर नियमित भ्रमण कर

ध्यान रखने को कहा गया साथ ही आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को समझाया गया की गांव में कोई भी परिवार शासन की योजनाओं जैसे - पीएमएमवीवाय, एलएलवाय, पोषण आहार आदि योजना से वंचित ना रह जाये जानकारी दी गई! और पूरक पोषण आहार के वितरण के सम्बन्ध में गृहभेंट कर हितग्राहियो को समझाया गया।

रायपुर में सता नवजातों की मौत!

जिला अस्पताल में रात को 3 बच्चों ने दम तोड़ा, बिना ऑक्सीजन रेफर करने का आरोप; चश्मदीद ने सात मौतों का दावा किया

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के जिला अस्पताल में रात 8 बजे के बाद 3 बच्चों की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। परिजनों का आरोप था कि तबीयत बिगड़ने पर बच्चों को बिना ऑक्सीजन लगाए दूसरे अस्पताल में रेफर किया जा रहा था। वहीं अस्पताल में मौजूद एक मरीज के परिजन ने दावा किया है कि 3 नहीं 7 बच्चों की मौत हुई है। उसने कहा कि मैंने अपनी आंखों से एक के बाद एक सात बच्चों के शव ले जाते देखे हैं। एक बच्चे के पिता घनश्याम सिन्हा ने आरोप लगाया कि उसके बच्चे की स्थिति बिगड़ने के बाद डॉक्टरों ने एक प्राइवेट अस्पताल ले जाने को कह दिया। बच्चे की स्थिति गंभीर थी। उसे ले जाने के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर की जरूरत पड़ती, लेकिन नहीं दिया गया। वे लगातार अस्पताल प्रबंधन के लोगों से सिलेंडर की मांग करते रहे। इस दौरान भर्ती दो और बच्चों की मौत हो गई और परिजनों का गुस्सा डॉक्टरों पर फूट पड़ा। हंगामे की सूचना पर पंडरी थाने से पुलिस भी पहुंच गई।

ढाई घंटे बाद शांत हुए लोग

बच्चों के इंटेंसिव केयर यूनिट में काफी देर तक बवाल होता रहा। परिजनों को कोई सही जवाब नहीं दे रहा था। लगभग 2 से ढाई घंटे तक चले बवाल के बाद पुलिस के दखल की वजह से परिजन शांत हुए। रात 11 बजे तक तीनों बच्चों के शवों के साथ घरवाले लौट गए। अस्पताल प्रबंधन के लोग दूसरे परिजनों को समझाने में लग गए और माहौल शांत

मैंने देखा 7 लाशें निकलीं

बेमेतरा से आए एक परिजन ने बताया कि शाम के वक्त तीन बच्चों की मौत हुई। जिसके बाद हंगामा हो गया, लेकिन मंगलवार को दिनभर हर दूसरे घंटे में एक बच्चे का शव बाहर निकाला जा रहा था। उन्होंने कुल 7 बच्चों के शवों को यहां से ले जाते देखा। इनके दो बच्चों को यहां पिछले 3 दिनों से इलाज के लिए रखा गया है मगर उनकी स्थिति की कोई जानकारी अब तक इन्हें नहीं दी गई है। जिन बच्चों के शव निकले वे सभी बच्चे पिछले कई दिनों से यहां इलाज करा रहे थे। बेहद कमजोर थे और आईसी में भर्ती किए गए थे।

हर रोज नई बीमारी बताते हैं डॉक्टर

15 जुलाई से यहां अपने बच्चे का इलाज करा रहे एक पिता ने बताया कि इतने दिनों में डॉक्टरों ने उसे कई तरह की बीमारियां बता दीं। पहले दिन कहा कि किडनी खराब है। इसके बाद कह दिया कि दिल में छेद है। फिर कहने लगे कि आपके बच्चे की जिंदगी सिर्फ 10 मिनट के लिए है। अब तक बच्चे की स्थिति की सही जानकारी नहीं दी गई है। रायपुर से ही आए एक परिजन ने बताया कि ह्रष्ट में बच्चों पर नियमों का हवाला देकर न तो देखने देते हैं न हाल बता रहे।

घटना की जांच जारी

मंगलवार शाम पंडरी के जिला अस्पताल कैंपस में हुए इस बवाल की आंतरिक तौर पर जांच की जा रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने डॉक्टर से पूरी घटना की जानकारी मांगी है। बुधवार शाम तक अस्पताल प्रबंधन की तरफ से इस मामले में कुछ और तथ्य सामने आ सकते हैं। हालांकि अब तक इस घटना में डॉक्टर की लापरवाही मानने को अस्पताल तैयार नहीं है।

फॉरेन शूटिंग में फंसा पेंच

सिर्फ 16 देशों में ही कोवीशील्ड अप्रूव्ड

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग देश में शुरू हो चुकी है, लेकिन विदेशी लोकेशंस पर शूटिंग को लेकर अभी भी स्थिति साफ नहीं है। बहुत से देश में कोरोना वैक्सीन कोवीशील्ड को ट्रैवल अप्रूवल नहीं मिला है। कई देशों में ट्रैवल बैन के चलते भी फिल्मों की शूटिंग अटकी पड़ी है। अगर ये परिस्थितियां जल्द ही ठीक नहीं हुईं तो कई फिल्मों की फॉरेन शूटिंग में देरी होगी या फिर लोकेशन और स्क्रिप्ट में बदलाव करने पड़ेंगे। फॉरेन शूटिंग के लिए यूरोप के डेस्टिनेशन सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं, लेकिन हाल यह है कि आधे से ज्यादा यूरोप में यात्रा के लिए कोवीशील्ड वैक्सीन को अप्रूवल नहीं मिला है। अभी फ्रांस ने इसको अप्रूवल दिया है। इसके बाद भी यूरोपियन संघ से कोवीशील्ड को अप्रूवल देने वाले देशों की संख्या सिर्फ 16 ही है। दरअसल यूरोपीय संघ ने विदेशी यात्रियों के लिए ग्रीन पास नाम से डिजिटल कोविड वैक्सीन सर्टिफिकेट प्रोग्राम तैयार किया है। यह सर्टिफिकेट बताता है कि यात्री ने कौन सी वैक्सीन ली है। उनके कोविड टेस्ट का रिजल्ट क्या है और वह यात्री कोविड से स्वस्थ हो चुका है या नहीं। यह ग्रीन पास देने के लिए अब तक फाइजर, मॉडर्ना, एस्ट्राजेनेका और जॉनसन एंड जॉनसन वैक्सीन को ही अप्रूव किया गया है। यूरोप की एस्ट्राजेनेका का ही भारतीय रूप कोवीशील्ड है। फिर भी अभी तक यूरोप के ज्यादातर देशों ने इसे अप्रूवल नहीं दिया है।ज्यादातर देशों में अभी भी भारत से यात्रियों का प्रवेश वर्जित है। भारतीयों को कुछ कैटेगरी में ही प्रवेश मिल रहा है। अमेरिका जैसे कुछ देशों ने अपनी यूनिवर्सिटी में एडमिशन ले चुके भारतीय विद्यार्थियों के लिए प्रवेश को मान्य कर दिया है, लेकिन फिल्म शूटिंग के लिए यात्रा नहीं हो सकती। भारत से कॉमर्शियल अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी सीमित हैं।

इस माहौल में भी कंगना रनोट की 'धाकड़' फिल्म की शूटिंग हंगरी में हुई है। फिल्म के लाइन प्रोड्यूसर ज़ैद अली ने दैनिक भास्कर को बताया कि हंगरी के कुछ खास नियम हैं। इनका सही तरीके से पालन किया गया। पूरी टीम का आरटी-पीसीआर टेस्ट हुआ। इसके बाद वहां शूटिंग संभव हो पाई।

शिक्षक अपने आचरण से विद्यार्थियों को सेवा संस्कार दें : राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि प्राध्यापकों को अपने आचरण एवं संस्कारों के आदर्श को सामने रखते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा देनी चाहिए। पाठ्यक्रम में लौकिक एवं पारलौकिक दोनों प्रकार के विषयों को स्थान दें। उन्होंने कहा है कि छात्र हमारे देश की संपत्ति हैं। देश को विकास के पथ पर ले जाने वाले राष्ट निर्माता हैं। इसलिए इनके साथ हमारा व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिससे उनके मन में किसी भी तरह का असंतोष नहीं रहें। उनमें सेवा भाव उत्पन्न करना शिक्षकों का दायित्व है। विद्यार्थियों में यह भाव तभी जागृत होगा, जब हम सब निष्ठा से अपनी जिम्मेदारियों का पालन करेंगे। श्री पटेल अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के 54वें स्थापना दिवस समारोह को राजभवन भोपाल से आज ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने सभी शिक्षकों से कहा है कि प्रतिभाशाली छात्रों को उनकी पूरी क्षमता का एहसास कराते हुए, उनके कौशल ज्ञान को समृद्ध करने के साथ उन्हें समाज में योगदान देने के लिए प्रेरित करेंद्ध उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा है कि उन्हें विचार करना चाहिए कि हम अपने समाज, प्रदेश और देश के विकास के लिए क्या कर रहे है और क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा है कि हमारा देश बुद्ध, गाँधी और विवेकानंद का देश है, जिसकी नींव वसुधैव कुटुंबकम् पर आधारित है जहाँ प्रत्येक व्यक्ति के हृदय में करूणा, अहिंसा, सहानुभूति समाहित है।

वन-टू-वन

जिले में आज 34 हजार 950 लोगों को लगाए जायेंगे कोरोना से बचाव के मंगल टीके

ग्वालियर शहर में 41 केन्द्रों और ग्रामीण अंचल में 72 केन्द्रों पर होगा टीकाकरण

ऑनलाइन पंजीयन कराकर आने वालों को लगेंगे टीके

ग्वालियर । कोरोना टीकाकरण महाअभियान के तहत ग्वालियर जिले में 22 जुलाई को 34 हजार 950 लोगों को कोरोना से बचाव के लिए मंगल टीके लगाने का इंतजाम किया गया है। इस दिन जिले में 113 टीकाकरण केन्द्रों पर यह टीके लगाए जायेंगे। जिनमें ग्वालियर शहर में बनाए गए 41 एवं ग्रामीण अंचल के 72 टीकाकरण केन्द्र शामिल हैं। 22 जुलाई को कोविशील्ड वैक्सीन के 34 हजार 550 प्रथम व द्वितीय डोज एवं कोवैक्सीन के 400 द्वितीय डोज लगाए जायेंगे। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. गुप्ता ने बताया कि इस बार उन्हीं लोगों को कोरोना से बचाव के टीके लगाए जायेंगे जो पूर्व से ही https://cowin.gov.in पोर्टल पर अपना ऑनलाइन पंजीयन कराकर टीकाकरण केन्द्र पर पहुँचेंगे। उन्होंने बताया टीकाकरण के दिन अपरान्ह 4 बजे के बाद यदि वैक्सीन बचेगी तो टीकाकरण केन्द्रों पर ऑन स्पॉट पंजीयन कर लोगों को कोरोना के टीके लगाए जायेंगे।

इन केन्द्रों पर लगाए जायेंगे टीके

गुरुवार 22 जुलाई को ग्वालियर शहर में रेलवे हॉस्पिटल, सिविल अस्पताल हजीरा, तानसेन नगर जोन-4, जीआर मेडीकल कॉलेज, हेमसिंह की परेड, चेम्बर ऑफ कॉमर्स, कैट जीवायएमसी क्लब, जीवाजी क्लब, लक्ष्मीगंज, संजीवनी क्लीनिक आदर्श मिल, यूपीएचसी निम्माजी की खो, जनकगंज सिविल डिस्पेंसरी, ढोली बुआ का पुल जोन-17, जीवाजी यूनिवर्सिटी, एजी ऑफिस डिस्पेंसरी, ठाठीपुर यूएचसी, यूपीएचसी पंतनगर, मुरार अस्पताल, मिलिट्री हॉस्पिटल ग्वालियर, यूपीएचसी हुरावली, फालका बाजार सिविल डिस्पेंसरी, हरिजन बस्ती सिविल डिस्पेंसरी, माधव महाविद्यालय, माधौगंज जोन-20, माधौगंज एमएच, नौमेहला जोन-2, पंडित दीनदयाल लधेड़ी, लूटपुरा जोन-3, पुरानी छावनी जोन-23, बहोड़ापुर जोन-1, बहोड़ापुर यूपीएचसी, शब्दप्रताप आश्रम सिविल डिस्पेंसरी, सेंट्रल जेल ग्वालियर, डीडीनगर सिविल डिस्पेंसरी, यूपीएचसी पिंटो पार्क, एसएमसी एएफएस ग्वालियर, केवी 2 एएफएस ग्वालियर, प्रेस्टीज कॉलेज, बिरलानगर एमएच, बिस्मिल भवन जोन-5 एवं दुल्लपुर सिविल डिस्पेंसरी में कोरोना से बचाव के टीके लगाए जायेंगे। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र में बिलौआ पीएचसी, पिछोर पीएचसी, शुक्लहारी, बीएसएफ टेकनपुर, सालवई, करियावटी, यूपीएससी डबरा, सिविल हॉस्पिटल डबरा, बरौआ, निरावली, रेहट, कुलैथ, बड़कागाँव, तिघरा, बरई, पनिहार, पार, सिमिरिया टांका, घाटीगांव, आरोन, पाटई, मोहना, नौगांव, वीरपुर, रायपुर, उटीला, बंधौली, आरोली, टिहोली, डबका, हस्तिनापुर, सिरसोद, जखारा, सेंथरी, रमौआ, बड़ागांव, अकबरपुर, बडोरी, बिजोली, धनेली, गुठीना, बिल्हेटी, रनगंवां, बेरजा, बरेठा, भितरवार, मोहनगढ़, केरूआ, गढ़ाजर, गोहिंदा, रही, सांखनी, चिटोली, गधौटा, किठोदा, पवाया, रिछारी, बागवई, मस्तूरा, एराया, भरथरी, आंतरी, कछउ बड़की सराय, अमरोल, भेंगना, घरसोंदी, ईंटमा, बनवार, भौरी, उर्वा चीनौर एवं मेहगांव में कोरोना के टीके लगाए जायेंगे। जीआर मेडीकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय मुरार, सिविल हॉस्पिटल हजीरा व जीवाजी विश्वविद्यालय के टीकाकरण केन्द्र पर कोवैक्सीन के केवल द्वितीय डोज लगाए जायेंगे। ग्वालियर शहर के अलावा डबरा सिविल हॉस्पिटल, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बरई, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भितरवार व हस्तिनापुर में भी 22 जुलाई को कोरोना टीकाकरण होगा।

कृषक पुरस्कार के लिए किसान भाईयों से आवेदन आमंत्रित

ग्वालियर। किसान भाईयों के लिये ÷आत्मा÷ परियोजना के तहत मूल्यांकन वर्ष 2020-21 की गतिविधियों के आधार पर कृषक पुरस्कार ÷कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, कृषि यंत्रिकरण के प्रति विकासखण्ड, पाँच सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार, जिसकी राशि 10 हजार रूपए, जिले में प्रत्येक पाँच सर्वोत्तम कृषक समूह पुरस्कार जिसकी राशि प्रति पुरस्कार 20 हजार रूपए तथा 10 जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार जिसकी प्रति पुरस्कार राशि 25 हजार रूपए प्रदान की जाएगी। उपसंचालक कृषि श्री आनंद बड़ोनिया ने बताया कि कृषक पुरस्कार के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2021 निर्धारित की गई है।

पत्नी को तेजाब पिलाने वाला दिल्ली से गिरफ्तार

24 दिन करता रहा देखभाल की नौटंकी, जांच में लापरवाही पर ASI सस्पेंड, TI को भी हटाया

महिला के भाई ने शिवराज से की इलाज करवाने की अपील

ग्वालियर

ग्वालियर के डबरा में 3 लाख रुपए के लिए पत्नी को तेजाब पिलाने वाले वीरेन्द्र कुमार जाटव को पुलिस ने बुधवार को दिल्ली से अरेस्ट कर लिया है। मामले में लापरवाही बरतने वाले एक्ऽ स्ढ्ढ को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, टीआई को हटा दिया है। पत्नी को एसिड पिलाने के बाद आरोपी 24 दिन से उसकी देखभाल का ड्रामा करता रहा। वह जानता था कि यदि पत्नी की बिना बयान दिए मौत हो गई, तो वह पुलिस से बच जाएगा, लेकिन दो दिन पहले पत्नी के बयान देने के बाद राज खुल गया। पुलिस उसे लेकर डबरा थाने आ गई है। घायल महिला के भाई ने इलाज कराने की मांग की है। साथ ही, घटना के पीछे की कहानी भी बयां की है।

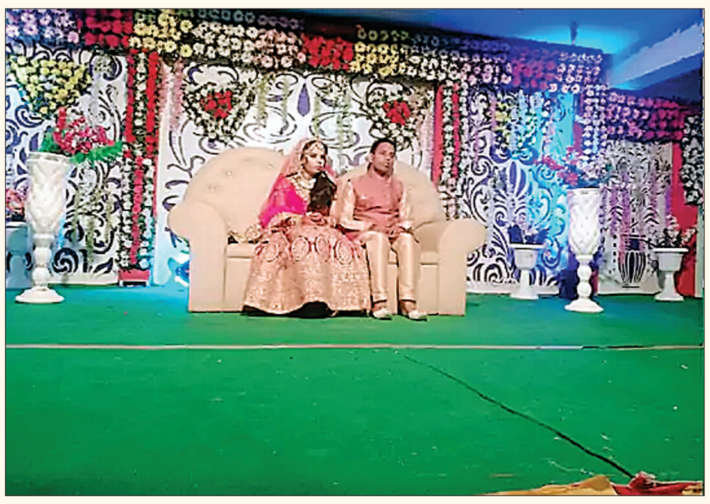

यह है मामला

घाटीगांव सिमरिया निवासी शशि जाटव (22) की शादी 17 अप्रैल 2021 को डबरा के रामगढ़ निवासी वीरेन्द्र कुमार जाटव से हुई थी। मायके वालों ने 10 लाख रुपए तक खर्च किए थे। लॉकडाउन के बाद वीरेन्द्र को नई कार खरीदनी थी। इसमें उसे 3 लाख रुपए कम पड़ रहे थे। उसने पत्नी को मायके से रुपए लाने के लिए कहा। 27 जून की रात उससे फिर पैसे लाने के लिए कहा गया। इस बार मना करने पर पति ने हत्या के इरादे से शशि को जबरदस्ती एसिड पिला दिया। इसके बाद शशि तड़पने लगी।

यही नहीं, आरोपी ने ही उसे ग्वालियर में भर्ती कराया, लेकिन हालत खराब होने पर उसे दिल्ली रेफर किया गया था। इसके बाद मायके वालों ने डबरा थाने में दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराया। दिल्ली में दो दिन पहले शशि ने स्ष्ठरू के सामने बयान में पति द्वारा एसिड पिलाने की बात कही थी। इसके बाद राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य स्वाति मालीवाल द्वारा ष्टरूशिवराज सिंह को ट्वीट करने के बाद से यह मुद्दा चर्चित बना हुआ है।

भाई बोला- शादी के बाद से ही घुट रही थी बहन

घायल शशि के भाई योगेश ने बताया कि शादी के बाद से ही ससुराल में बहन को परेशान करना शुरू कर दिया था। वीरेन्द्र, पत्नी से ज्यादा अपनी भाभी व अन्य के साथ बैठता था। जब शादी तय हुई थी, तो हमें कुछ पता नहीं था। शादी से ठीक पहले भी उन्होंने रुपयों की मांग की थी। जिस पर हमें सिमरिया गांव में अपनी एक बीघा जमीन भी सस्ते में बेचनी पड़ी थी। हम नहीं जानते थे, यह दिन देखने को मिलेंगे।

इलाज के लिए शिवराज मामा से मदद की अपील

योगेश जाटव ने बताया कि अभी उनकी बहन का इलाज दिल्ली के सरकारी अस्पताल में चल रहा है। वहां उस स्तर का इलाज नहीं मिल पा रहा, जो मिलना चाहिए। हमारी इतनी हैसियत नहीं है कि हम उसका इलाज बड़े निजी अस्पताल में करा सकें। इसलिए मदद की दरकार है। उसने शासन, प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं से मदद की अपील की है। साथ ही, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से अपील है कि अपनी भांजी को मरने से बचाएं और उसका इलाज करवाएं।

लापरवाही पर ASI सस्पेंड

देहात एएसपी जयराज कुबेर के मुताबिक घटना 27 जून की है। पीड़िता के परिजन डबरा थाने पहुंचे। यहा ASI ब्रह्म कुमार दीक्षित ने सिर्फ दहेज प्रताड़ना से संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया। FIR में तेजाब पिलाने से संबंधित धाराओं का जिक्र तक नहीं किया गया। जानकारी देने के बावजूद मामले के जांचकर्ता एएसआई ने 20 जुलाई तक न तो धाराएं बढ़ाई और न ही पीड़िता का बयान दर्ज किए। इस तरह तत्काल एक्शन नहीं लेने और जांच में लापरवाही बरतने पर एएसआई को सस्पेंड कर दिया गया है। इसके अलावा रात को एसपी ने टीआई विनायक शुक्ला को लाइन अटैच कर दिया है।

ईद पर बिछड़ गए दो दोस्त

ईद मनाने ससुराल जा रहे थे, तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से पलटी ऑटो, एक की मौत

ग्वालियर

ईद से पहले दो दोस्त हमेशा के लिए बिछड़ गए। दोनों दोस्त ईद मनाने के लिए ससुराल जा रहे थे। पर रास्ते में एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन काल बनकर पीछे से टक्कर मार गया। तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से उनकी ऑटो पलट गई। हादसे में ऑटो में सवार एक दोस्त की मौत हो गई। एक ही हालत गंभीर बनी हुई है। घटना झांसी रोड पर हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को निगरानी में लेकर पड़ताल शुरू कर दी है।

शहर के इस्लामपुरा में रहने वाले कल्लू उर्फ इरफान खान (24) और साबिर (26) के बीच गहरी दोस्ती थी। दोस्ती भी ऐसी कि जब तक एक दूसरे से मिल नहीं लेते थे खाना नहीं खाते थे। साबिर शादी शुदा है। साथ ही वह ऑटो चलाता है। बुधवार को ईद (बकरीद) होने पर वह यह त्योहार मनाने के लिए साबिर की ससुराल कल्याणी जाने के लिए निकले थे। साबिर ऑटो चला रहा था। इरफान पीछे बैठा था। देर रात अभी वह झांसी रोड हाइवे पर अड़ूपुरा बिजली घर के पास पहुंचे थे कि पीछे से किसी अज्ञात वाहन ने उनकी ऑटो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो चला रहा साबिर का संतुलन गड़बड़ा गया और ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। ऑटो पलटने से दोनों दब गए। घटना के बाद चालक गाड़ी लेकर भाग गया। राहगीरों ने देखा तो पुलिस और एंबुलेंस को फोन किया। ऑटो में दबे दोनों दोस्तों को बाहर निकाला। तब तक बिलौआ थाने की पुलिस भी आ गई। उन्होंने देखा तो उस वक्त दोनों की सांसे चल रही थी। तुरंत ही उन्हें अस्पताल पहुंचाया। बुधवार सुबह घायल कल्लू उर्फ इरफान ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि साबिर की हालत नाजुक बनी हुई है।

हवा में 4 फीट तक उछल गया था ऑटो

घटना के समय वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने पुलिस को बताया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो हवा में करीब 4 फीट उछला इसके बाद सडक़ पर पलट गया। दोनों सडक़ पर गिरने के बाद ऑटो के नीचे दब गए। राहगीरों ने उन्हें एक-एक करके बाहर निकाला। पर शरीर से काफी खून बह चुका था। जिस कारण इरफान की मौत हो गई।

घर में चल रही थी ईद की तैयारी, आई मौत की खबर

इरफान के घर में ईद की तैयारी चल रही थी। तब उसके सड़क हादसे में घायल होने की खबर आई। इसके कुछ देर बाद उसके दम तोड़ने की सूचना घर तक पहुंची। इसके बाद खुशी का माहौल मातम में बदल गया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478